हिन्दी दैनिक

साहसिक टाइम्स

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष : 01, अंक : 46 पृष्ठ : 08, मूल्य : रू 1.00, लखनऊ, शुक्रवार 28 जून, 2024

मुख्यमंत्री ने यूपी-112 द्वितीय चरण के अंतर्गत उच्चीकृत पीआरवी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

कानून का राज सुशासन की पहली शर्त: सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ। कानून का राज सुशासन की पहली शर्त है। इसके लिए सुरक्षा व संरक्षा का बेहतर वातावरण होना चाहिए। सुरक्षा का वातावरण राज्य का दायित्व है। हमारी पुलिस इसका बखूबी निर्वहन करती है। समय के अनुरूप पुलिस का आधुनिकीकरण कर सकें, यह मांग लंबे समय से चली आ रही थी। प्रधानमंत्री ने डीजी कॉफ्रेंस में देश भर के पुलिस महानिदेशकों के सामने कानून के परिवर्तन के साथ ही स्मार्ट पुलिसिंग की नई अवधारणा पर आधारित नई दृष्टि दी थी। उन्होंने स्ट्रिक्ट एंड सेंसेटिव, मॉडर्न एंड मोबाइल, अलर्ट एंड अकाउंटबिल, रिलायबल एंड रिस्पांसिव, टेक्नोसेवी व ट्रेंड होने की बात कही थी। यूपी पुलिस ने इन सभी बातों को अक्षरशः उतारने का प्रयास किया

है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर यूपी-112 द्वितीय चरण के तहत उच्चीकृत पीआरवी का फ्लैग ऑफ किया। साथ ही वातानुकूलित हेलमेट का वितरण किया। सीएम ने कहा कि यह कार्यक्रम स्मार्ट पुलिसिंग की सात वर्ष की प्रक्रिया को नई ऊंचाई की ओर पहुंचाने का अभियान है। सीएम योगी ने कहा कि पिछले सात वर्ष के अंदर यूपी पुलिस ने देश के अंदर न केवल अपनी नई पहचान बनाई है, बल्कि यूपी को भी नई पहचान दिलाने में महती भूमिका का निर्वहन किया है। सात वर्ष में यूपी में कानून का राज दिखाई दिया है। कानून के राज ने पुलिस को भी सम्मान और विश्वास का प्रतीक बनाया तो राज्य में निवेश, व्यापार की नई संभावनाओं के साथ विकास और रोजगार के नए युग में ले जाने का कार्य किया। 2017 में सीएम बनने के बाद पहली प्रशासनिक बैठक की, वहां पता चला कि यूपी आबादी में देश का सबसे बड़ा राज्य है, लेकिन यह छठवीं अर्थव्यवस्था था। जैसे-जैसे प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ तो यूपी देश की दूसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरा और अब तेजी के साथ देश की बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो रहा है।

- सीएम ने कानपुर ट्रैफिक पुलिस के आरक्षियों को वातानुकूलित हेलमेट का भी किया वितरण
- बोले- पीएम की नई दृष्टि को अक्षरशः उतार रही यूपी पुलिस
- पहली बार यूपी पुलिस बल के लिए फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट का हुआ गठनः योगी
- बोले- शासन ने तय किया तीन वर्ष का कार्यक्रम, फ्लीट में शामिल होंगे 6278 वाहन

केजरीवाल की पत्नी सुनीता का फूटा गुस्सा, ट्वीट में निकाली भड़ास

तानाशाह का विनाश हो...

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने गुरुवार को एक बार फिर उत्पाद शुल्क नीति मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा अपने पति की गिरफ्तारी की आलोचना की। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा कि अभी तक हमेशा यही प्रार्थना रही है कि ईश्वर सबको सदबुद्धि दे। लेकिन अब प्रार्थना रहेगी कि तानाशाह का विनाश हो। केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ाते हुए सीबीआई ने आप प्रमुख को कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। इसी घोटाले से जुड़े प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक धन शोधन मामले में वह पहले से ही न्यायिक हिरासत में हैं। कोर्ट ने केजरीवाल को बुधवार को तीन दिन के लिए सीबीआई की हिरासत में भेज दिया था। केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने बुधवार को आरोप

लगाया कि पूरी व्यवस्था यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उनके पति जेल से बाहर न आएं और इस बात पर जोर दिया कि यह सब "तानाशाही" और "आपातकाल" के समान है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि जब केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की संभावना थी, तो भाजपा घबरा गई और उन्हें "फर्जी मामले" में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार करवा दिया गया।सुनीता केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि 20 जून अरविंद केजरीवाल को बेल मिली। तुरंत एऊने स्टे लगवा लिया। अगले ही दिन उइकने आरोपी बना दिया। और आज गिरफ़्तार कर लिया। पूरा तंत्र इस कोशिश में है कि बंदा जेल से बाहर ना आ जाये। ये कानून नहीं है। ये तानाशाही है, इमरजेंसी है।

- कोर्ट ने केजरीवाल को बुधवार को तीन दिन के लिए सीबीआई की हिरासत में भेज दिया था। केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने बुधवार को आरोप लगाया कि पूरी व्यवस्था यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उनके पति जेल से बाहर न आएं और इस बात पर जोर दिया कि यह सब "तानाशाही" और "आपातकाल" के समान है।

संविधान पर सबसे बड़ा हमला था आपातकाल: राष्ट्रपति

इस साल आम चुनाव में नई लोकसभा चुने जाने के बाद संसद में यह उनका पहला संबोधन है। राष्ट्रपति ने सत्ता पक्ष की जय-जयकार और विपक्ष के विरोध के बीच कहा, "1975 में आपातकाल भारत के संविधान पर सबसे बड़ा हमला और उस पर एक धब्बा था।"

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज संसद की संयुक्त बैठक को अपने संबोधन में कहा कि 1975 में लगाया गया आपातकाल भारत के संविधान पर सबसे बड़ा हमला और धब्बा था। इस साल आम चुनाव में नई लोकसभा चुने जाने के बाद संसद में यह उनका पहला संबोधन है। राष्ट्रपति ने सत्ता पक्ष की जय-जयकार और विपक्ष के विरोध के बीच कहा, "1975 में आपातकाल भारत के संविधान पर सबसे बड़ा हमला और उस पर एक धब्बा था।"यह हमला आपातकाल पर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक की पृष्ठभूमि में आया है। जबकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रियों ने इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल की भयावहता पर जोर दिया है, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने कहा है कि नरेंद्र मोदी सरकार के पिछले 10 वर्षों में "अघोषित आपातकाल" लागू है। राष्ट्रपति ने अपने बयान में कहा कि आने वाले महीनों में भारत लोकतंत्र के रूप में 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है। भारत के संविधान ने पिछले दशकों में हर चुनौती और बाधा का सामना किया है। संविधान लागू होने के बाद भी इस पर कई बार हमले हुए हैं। उन्होंने कहा कि सबसे काला अध्याय 25 जून 1975 को आपातकाल के दौरान संविधान पर सीधा हमला था, जब पूरा देश निराशा की चीखों से गूंज उठा था। हालाँकि, भारत ने ऐसे असंवैधानिक दबावों पर विजय प्राप्त की क्योंकि भारत के मूल मूल्य हमेशा लोकतंत्र की परंपराओं में निहित रहे हैं। उन्होंने कहा कि आपातकाल संविधान पर सीधे हमले का सबसे बड़ा और काला अध्याय था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा, "मेरी सरकार ने उअअ कानून के तहत शरणार्थियों को नागरिकता देना शुरू कर दिया है। इससे बंटवारे से पीड़ित अनेक परिवारों के लिए सम्मान का जीवन जीना तय हुआ है। जिन परिवारों को CAA के तहत नागरिकता मिली है मैं उनके बेहतर भविष्य की कामना करती हूं।"

सपा का वश चला तो संसद, संविधान तक हटा सकते हैं; कांग्रेस पार्टी नहीं प्राइवेट लिमिटेड कंपनी: आचार्य प्रमोद कृष्णम

एजेंसी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद द्वारा संसद से सेंगोल हटाकर संविधान की कॉपी लगाने की मांग और कांग्रेस द्वारा सैम पित्रोदा को फिर ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने दोनों दलों पर जमकर हमला बोला। समाजवादी पार्टी के सांसद आर.के. चौधरी ने संसद से सेंगोल हटाकर संविधान की कॉपी लगाने की मांग की थी। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि सपा और अखिलेश यादव का अगर वश चले तो सेंगोल को ही नहीं वह सनातन को भी हटा दें। वे संविधान हटा सकते हैं, भारत की संसद को ही हटा सकते हैं। भारत की जिस संसद में बैठे हैं इसका इन्होंने बहिष्कार किया था। उन्होंने कहा कि संविधान तो बहाना है, ये लोग सनातन विरोधी हैं। भारत की संस्कृति, सभ्यता का विरोध करते हैं। इन्हें किसी से मतलब नहीं है, इन्हें सिर्फ लूट खसोट करनी

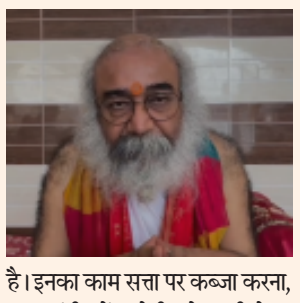

है। इनका काम सत्ता पर कब्जा करना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली देना, उनके फैसले का विरोध करना है। इनके पास कोई विजन नहीं है, भारत की संसद को कबड्डी का मैदान बनाना चाहते हैं। मैं लोकसभा स्पीकर और भारत के राष्ट्रपति से निवेदन करना चाहता हूं कि इनका इलाज करें, वरना देश में लोकतंत्र को भारी खतरा पैदा हो सकता है। सैम पित्रोदा को ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त करने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है जिसने इस मुल्क को आजाद कराने में बड़ी भूमिका निभाई थी, लेकिन आज की कांग्रेस उस समय के कांग्रेस से अलग है। आज की कांग्रेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी है। यह राहुल गांधी के नौकरों, चमचों की पार्टी बन गई है। राहुल गांधी का इशारा होता है तो नियुक्ति हो जाती है, राहुल गांधी नाराज हो जाते हैं तो उन्हें निलंबित कर दिया जाता है। उन्होंने कहा, "कांग्रेस आज की तारीख में पार्टी नहीं है, पार्टी बची कहां है। अगर पार्टी बचती तो इस तरह के वाहियात देश विरोधी फैसले होते? सैम पित्रोदा कांग्रेस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के एक डायरेक्टर के रूप में हैं, उन्हें कौन निकाल सकता है। जब उन्हें पार्टी से निकाला गया था तो पीएम मोदी ने कहा था कि इनको पार्टी में वापस ले लिया जाएगा जो आज सिद्ध हो गया।"

राज्यसभा सांसद संजय सिंह को बड़ी राहत, निलंबन हुआ खत्म

एजेंसी

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बीच आम आदमी पार्टी (आप) के लिए अच्छी खबर सामने आई है। आप नेता व सांसद संजय सिंह का राज्यसभा का निलंबन खत्म हो गया है। इसके लिए आप नेता ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ का आभार जताया है। सांसद संजय सिंह को

पिछले साल मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा से 'अमर्यादित व्यवहार' की वजह से निलंबित कर दिया गया था। आप नेता संजय सिंह ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, "लगभग एक साल के बाद संसद में जाने की अनुमति प्राप्त हुई। निलंबन खत्म हुआ। माननीय सभापति उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनकड़, प्रिविलेज कमेटी के सभापति व सभी माननीय सदस्यों का अत्यंत धन्यवाद व आभार।" बता दें कि सीबीआई ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया है। इस पर आप नेता संजय सिंह ने बुधवार को कहा था कि वह सीएम की गिरफ्तारी पर इंडिया गठबंधन के नेताओं से बात करेंगे। उनसे इस मुद्दे को संसद में उठाने का अपील करेंगे। संजय सिंह ने एक्स पर पोस्ट किया था, "हौसला आंधी है और आंधी नहीं रुकती है। जुल्म के सामने सच्चाई नहीं झुकती है। जिसका शेर का कलेजा.. उसका दुश्मन क्या कर लेगा.." सब याद रखा जाएगा... जब हिसाब होगा तो दुनिया याद रखेगी।

क्या भारत की संसद में 'जय संविधान' नहीं बोला जा सकता : प्रियंका गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में सांसद पद की शपथ लेने के दौरान शशि थरूर ने जय संविधान कहा, जिसके बाद स्पीकर ने उन्हें टोक दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने जब इसका विरोध किया तो स्पीकर ने उन्हें भी सख्ती से चुप करा दिया। इस पूरे मामले पर अब प्रियंका गांधी वाड्रा का बयान सामने आया है। प्रियंका गांधी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, "क्या भारत की संसद में 'जय संविधान' नहीं बोला जा सकता? संसद में सत्ता पक्ष के लोगों को असंसदीय और असंवैधानिक नारे लगाने से नहीं रोका गया, लेकिन विपक्षी सांसद के 'जय संविधान' बोलने पर आपत्ति जताई गई। चुनाव के दौरान सामने आया संविधान विरोध अब नये रूप में सामने आया है जो हमारे संविधान को

कमजोर करना चाहता है।" उन्होंने आगे लिखा कि जिस संविधान से संसद चलती है, जिस संविधान की हर सदस्य शपथ लेता है, जिस संविधान से हर नागरिक को जान और जीवन की सुरक्षा मिलती है, क्या अब विपक्ष की आवाज दबाने के लिए उसी संविधान का विरोध किया जाएगा?

बिहार के नियोजित शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से झटका...

अपग्रेड करें या छोड़ें

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि शिक्षक राष्ट्र के निर्माण में मदद करते हैं और उन्हें अपने कौशल को उन्नत करने या अपनी नौकरी छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बिहार में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निर्धारित योग्यता परीक्षा का विरोध करने वाली स्थानीय निकाय शिक्षकों की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। बच्चों की शिक्षा के पक्ष में विचार करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और उज्जल भुइयां की अवकाश पीठ ने कहा कि हम देश में, विशेषकर बिहार राज्य में बच्चों की शिक्षा में रुचि रखते हैं। यदि कोई शिक्षक इस नियम का पालन नहीं करना चाहता है तो वह इस्तीफा दे दें। लेकिन अगर वे छात्रों की सेवा करना चाहते हैं, तो उन्हें योग्यता परीक्षा देने दें। अदालत शिक्षकों के दो समूहों - परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ और बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ - द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो राज्य में पंचायत संचालित स्कूलों में कार्यरत हैं और जिन्होंने बिहार स्कूल विशिष्ट शिक्षक नियम, 2023 को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें लेने की आवश्यकता थी। बिहार सरकार के मुताबिक, परीक्षा

वैकल्पिक थी और जो परीक्षा नहीं देना चाहेंगे उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालाँकि, अर्हता प्राप्त करने वाले शिक्षकों को राज्य सरकार के शिक्षकों के बराबर रखा जाएगा। याचिकाओं को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि शिक्षक वे लोग हैं जो राष्ट्र का निर्माण करते हैं। बिहार जैसे राज्य में अगर सरकार शिक्षकों को सुधारने का प्रयास कर रही है तो आप उसे अनुमति नहीं दे रहे हैं. यदि तुम इन परीक्षाओं का सामना नहीं कर सकते तो चले जाओ।

- याचिकाओं को खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि शिक्षक वे लोग हैं जो राष्ट्र का निर्माण करते हैं। बिहार जैसे राज्य में अगर सरकार शिक्षकों को सुधारने का प्रयास कर रही है तो आप उसे अनुमति नहीं दे रहे हैं. यदि तुम इन परीक्षाओं का सामना नहीं कर सकते तो चले जाओ।

मध्य प्रदेश सरकार कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए कर्ज ले रही : कमलनाथ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार पर बढ़ते कर्ज को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने बड़ा हमला बोला है। कमलनाथ ने गुरुवार को आरोप लगाया है कि राज्य सरकार कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए भी कर्ज ले रही है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 88,450 करोड़ रुपये का कर्ज लेने जा रही है। पहले से ही मध्य प्रदेश पर साढ़े तीन लाख करोड़ से ज्यादा का कर्ज है। वर्तमान प्रस्तावित कर्ज के बाद मध्य प्रदेश पर लगभग 4.38 लाख करोड़ का कर्ज हो जायेगा। कर्ज में डूबी मध्य प्रदेश सरकार की हालत यह हो चुकी है कि अब इन्हें कर्ज का ब्याज चुकाने

के लिए भी कर्ज लेना पड़ता है। यह गलत आर्थिक नीतियों और अपरिपक्व निर्णयों की देन है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ का आरोप है कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार लगातार कर्ज लेकर ठेका देने और कमीशन बटोरने में लगी रहती है और जनता पर कर्ज का बोझ बढ़ता जाता है।

नीट घोटाले में लीपापोती नहीं चलेगी : मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में गुरुवार को राष्ट्रपति का अभिभाषण हुआ। अभिभाषण के उपरांत कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा लिखित राष्ट्रपति के अभिभाषण को सुनकर ऐसा लगा, जैसे मोदी जी जनादेश को नकारने की हरसंभव कोशिश कर रहें हैं। जनादेश उनके खिलाफ था, क्योंकि देश की जनता ने 400 पार के उनके नारे को ठुकराया और भाजपा को 272 के आंकड़े से दूर रखा। खड़गे ने कहा कि मोदी जी इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। ऐसा बर्ताव

कर रहे हैं जैसे कुछ बदला ही नहीं, बल्कि सच्चाई है कि देश की जनता ने बदलाव मांगा था। उन्होंने कहा कि मैं राज्यसभा में अपने भाषण में विस्तृत प्रतिक्रिया दूंगा, पर प्रथम दृष्टया मैं कुछ बातें कहना चाहता हूं। नीट घोटाले में लीपापोती नहीं चलेगी। पिछले 5 वर्षों में एनटीए द्वारा कराए गए 66 भर्ती परीक्षाओं में कम से कम 12 में पेपर लीक और धांधली हुई है, जिससे 75 लाख से अधिक युवा प्रभावित हुए हैं।

बिहार के युवाओं को अब नौकरी की जगह अधिकार के लिए लड़ना होगा : प्रशांत किशोर

एजेंसी

पटना। चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने गुरुवार

को कहा कि आज समय आ गया है कि बिहार के युवा नौकरी की जगह अब अपने अधिकार के लिए लड़ाई लड़ें। उन्होंने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले पर भी आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि जो बच्चे दिन रात एक कर पढ़ाई कर रहे हैं, उनका पेपर लीक हो गया, उसकी चिंता किसी नेता को नहीं है। बिहार में जन सुराज पदयात्रा कर रहे प्रशांत किशोर ने राजद नेता तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पढ़े-लिखे लड़के मुंबई और दिल्ली में जाकर मजदूरी कर रहे हैं और 9 वीं फेल नेता बिहार में राज कर रहे हैं। बिहार के सभी लोगों को वो ज्ञान दे रहे हैं कि हमें गद्दी में बैठा दो तो हम सबको नौकरी दे देंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार के लोगों को अब नौकरी नहीं चाहिए, अब राज चाहिए। जब राज होगा तो नौकरी तो अपने आप हमें मिलेगी। बिहार में राज तेजस्वी यादव जैसे लोग करेंगे और नौकरी के लिए भीख हम मांगेंगे? अब ऐसा बिहार में नहीं होगा।

सरकार को सेंगोल की जगह संविधान की प्रति लगाने में क्या दिक्कत है : अखिलेश यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव

ने अपने सांसद आरके. चौधरी द्वारा लोकसभा से सेंगोल हटाकर उसकी जगह संविधान की विशालकाय प्रति स्थापित करने को लेकर लोकसभा स्पीकर को लिखे गए पत्र का समर्थन करते हुए कहा है कि आखिर सरकार को सेंगोल की जगह संविधान की प्रति लगाने में क्या दिक्कत है? हालांकि, संसद भवन परिसर में मीडिया से बात करते हुए सपा सांसद आरके. चौधरी ने कहा कि उन्हें जब लोकसभा में राजदंड और राजतंत्र का प्रतीक सेंगोल नजर आया तो उन्होंने इसे हटाने के लिए तुरंत पत्र लिख दिया क्योंकि लोकतंत्र में इसका कोई स्थान नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पत्र लिखने से पहले उनकी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव से कोई बात नहीं हुई थी, पत्र के चर्चा में आने के बाद आज उनकी अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष से बात हुई है। उन्होंने कहा कि वह अपनी मांग को लेकर सहयोगी दलों से भी बात करेंगे। इससे पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार का भाषण था और सरकार जब यह दावा करती है कि हम दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएंगे तो फिर देश का किसान क्यों दुखी है? बड़े पैमाने पर नौजवान बेरोजगार क्यों हैं? अग्निवीर जैसी आधी-अधूरी योजना सरकार को क्यों लागू करनी पड़ रही है? देश में महंगाई क्यों है?

सामाजिक सुरक्षा पेंशन अभिवृद्धि राशि हस्तांतरण व कानून को लेकर जागरूक किया

पीपलू (टोंक से एस) सामाजिक सुरक्षा पेंशन अभिवृद्धि राशि हस्तांतरण व कानून कार्यक्रम का सोहेला राजीव गांधी अटल सेवा केन्द्र पर गुरुवार को आयोजित किया गया। ग्राम पंचायत द्वारा एलईडी लगाकर सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत अभिवृद्धि राशि लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरित करते हुए वीसी के जरिए लाभार्थियों को बताया गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोहेला प्रिंसीपल लल्लू लाल शर्मा ने बताया राज्य सरकार द्वारा अप्रैल, 2024 से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत न्यूनतम पेंशन राशि 1000 रुपए से बढ़ाकर 1150 रुपए की गयी है। मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से बटन दबाकर पेंशनरों को बढ़ी हुई पेंशन राशि का भुगतान किया। राज्य सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त कर रहे वृद्धजनों, विधवा, परित्यकता, तलाकशुदा, एकलनारी आदि पेंशनरों में खुशी का माहौल है। सोहेला वन नाका प्रभारी मुकेश चौधरी व सदर वन नाका प्रभारी विक्रम शर्मा ने आने वाले मानसून को देखते हुए क्षेत्र में अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने की अपील की। राजस्थान सरकार द्वारा एक जुलाई 2024 से लागू हो रही नवीन कानूनी जानकारी दी । इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी रामफुल गुर्जर, सरपंच शांति देवी पूर्व सरपंच रामदास बेरवा वार्ड पंच रतनलाल सेन आंगनवाड़ी कार्यकर्ता परमेश्वरी शर्मा नवरतन शर्मा, पूरण मीणा, सहित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

पुलिस उपायुक्त ने पूर्वी जोन के उप निरीक्षको की बुलाई बैठक

कानपुर। पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) श्रवण कुमार ने अकारण विवेचनाओ को लम्बित रखने वाले विवेचको को सख्त हिदायत देते

हुए निष्पक्ष ढंग से विवेचना करने व निर्धारित समय सीमा के भीतर विधिक निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया । अर्दली रूम के दौरान भौतिक/इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को विवेचना में समाहित करते हुए विवेचनाओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया । अपराधी किस्म/सांप्रदायिक तत्वों/माफिया लोगो के घरझघर जाकर भौतिक सत्यापन करेगें । आपराधिक प्रवृति के लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिये गये।

केडीए की अवैध प्लाटिंग पर पैनी नजर

कानपुर। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश में कानपुर विकास प्राधिकरण जोन-02 के अन्तर्गत बहेड़ा, पनकी, कानपुर नगर में विशेष कार्याधिकारी सत शुक्ला के नेतृत्व में 03 बड़ी अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी जो निम्नवत है:-

01 चन्द्रशेखर, श्री गुरूप्रसाद, मौजी लाल व अन्य के नाम से आराजी संख्या 06, ग्राम बहेड़ा, पनकी, कानपुर पर लगभग 7.50 बीघा. क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। स्थल पर निर्मित बाउण्ड्रीवाले, नालियॉ, रास्ते, बिजली के खम्भें आदि पूर्णयता: ध्वस्त कराये गये। दोषियों के विरूद्व परीक्षणोंपरान्त एफ0आई0आर0 दर्ज कराने की कार्यवाही भी प्रक्रियाधीन है।

02. सौरभ पाल, रामू पाल, लक्की पाल, व अन्य (सियाराम प्रापर्टी एवं कांसट्रक्शन), के नाम से चन्द्रशेखर सोसाइटी के पहले, दायी ओर ग्राम बहेड़ा, कानपुर में लगभग 5.50 बीघा क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। स्थल पर निर्मित बाउण्ड्रीवाले, नालियॉ, रास्ते, बिजली के खम्भें आदि पूर्णयता: ध्वस्त कराये गये। दोषियों के विरूद्व परीक्षणोंपरान्त एफ0आई0आर0 दर्ज कराने की कार्यवाही भी प्रक्रियाधीन है।

03. राम कुमार व अन्य के नाम आराजी संख्या 09, ग्राम बहेड़ा, पनकी, कानपुर में लगभग 6.50 बीघा क्षेत्रफल में अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। स्थल पर निर्मित बाउण्ड्रीवाले, नालियॉ, रास्ते, बिजली के खम्भें आदि पूर्णयता: ध्वस्त कराये गये। दोषियों के विरूद्व परीक्षणोंपरान्त एफ0आई0आर0 दर्ज कराने की कार्यवाही भी प्रक्रियाधीन है।

उपरोक्त के अतिरिक्त रतनपुर विस्तार भाग-1 में भूखण्ड संख्या ई-17, के बगल में के0डी0ए0 की भूमि पर कब्जा कर किये गये निर्माण को पूर्णयता ध्वस्त कराया गया।

उपरोक्तानुसार ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान विशेष कार्याधिकारी सत शुक्ला, क्षेत्रीय सहायक अभियन्ता जे0एन0 पाण्डेय, अवर अभियन्ता पी0के वर्मा तथा अरविन्द उपाध्याय, के0डी0ए0 प्रवर्तन दल, पूर्व सैनिक बल, थाना पनकी तथा अन्य थानों का पुलिस बल, पी0ए0सी0 बल, फायर बिग्रेड आदि उपस्थित रहे। कार्यवाही में 05 बैकहो लोडर (जे0सी0बी0 मशीने) क्रियाशील रही। उपाध्यक्ष महोदय के निर्देश के क्रम में अवैध निमार्णों/प्लाटिंग के विरूद्व आगे भी कार्यवाही की जायेगी।

पुरानी ईटों से बनाया जा रहा कानपुर स्मार्ट सिटी

कानपुर। बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी के नेता एवं पूर्व पार्षद मदन लाल भाटिया ने एक प्रेस बयान में जानकारी देते हुए बताया की सुबह आम आदमी पार्टी कानपुर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश चंद्र अग्रवाल मॉर्निंग वॉक जीटी रोड पर कर रहे थे ,तो उन्होंने देखा की जीटी रोड पर जो डिवाइडर पर रेलिंग लगाई जा रही है उसमें किसी टूटी हुई बिल्डिंग के पुराने ईंटें और मलवे से चुनाई करके रेलिंग को फिक्स किया जा रहा है ।मानक एवं गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य को देखकर उन्होंने इसकी एक वीडियो बनाई और तत्काल आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व पार्षद मदनलाल भाटिया से संपर्क कर इस तरह के अनियमित और असमवैधानिक कार्य को रोकने हेतु प्रयास करने एवं स्मार्ट सिटी के नाम पर धन की लूट को बंद करने की मांग की। पूर्व पार्षद एवं आम आदमी पार्टी के नेता मदनलाल भाटिया ने तत्काल इसकी जानकारी कानपुर नगर निगम स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधिशासी अभियंता आरके सिंह

को फोन पर बात कर के दी और कहा की तत्काल इस कार्य को रूकवाएं और जांच कर संबंधित कर्मचारी और ठेकेदार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें । हम आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता शहर की जनता के धन का दुरुपयोग और लूट को बर्दाश्त नहीं करेंगे । कानपुर शहर टूटी और मलबे की ईट से स्मार्ट नहीं होगा । आम आदमी पार्टी के नेताओं की शिकायत को संज्ञान में लेते हुए अधिशासी अभियंता आरके सिंह ने तत्काल इस कार्य को रुकवाया। यह कार्य कानपुर नगर निगम जॉन 2 के कार्यालय के ठीक सामने हो रहा है आम आदमी पार्टी के नेताओं ने जॉनसन के कार्यालय में जाकर जोन दो के अधिशासी अभियंता भास्कर से भी इस कार्य की शिकायत की अधिशासी अभियंता भास्कर ने कहा कि मेरे कार्यक्षेत्र और मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर है ना तो मैं इस कार्य को देख सकता हूं वहां इसकी जांच कर सकता हूं आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कहा कि शहर के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम लोग अगर इसकी शिकायत करने आपके पास आए हैं तो आप नगर निगम के अधिशासी अभियंता है और नगर निगम इस कार्य को संपादित कर रहे है। आप संबंधित अधिकारियों को इससे संबंध में सूचना एवं जानकारी देकर मानक विहीन कार्य को रोकने का प्रयास करना चाहिए। इसकी शिकायत करने के लिए महापौर से भी संपर्क करने का प्रयास किया गया,लेकिन दर्जनों बार फोन मिलाया गया लेकिन संपर्क नहीं हो सका। आम आदमी पार्टी कानपुर के नेताओं मदन लाल भाटिया, नरेश अग्रवाल, शोएब खान ,मुशीर सिद्दीकी ,सौरभ गुप्ता आदि ने बयान में आगे कहा कि मानक रहित विकास कार्य, गुणवत्ता विहीन कार्यों को शहर की जनता कतई बर्दाश्त नहीं करेगी । मानक विहीन कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी और दोषियों को दंड दिलवाया जायेगा।

अब निर्धन पीड़ितों का नि:शुल्क केस लड़कर ये अधिवक्ता दिलाएंगे न्याय

कानपुर नगर। बीते दिन गुरुवार दिनांक 27 जून को अपना दल से व्यापार मंडल के अध्यक्ष विजय गुप्ता बेगुनाह हैं जो किसी न किसी साजिश मे फंस कर कोर्ट के चक्कर लगाते घूम रहे हैं। इसी को देखते हुए हम शर्मा, विशाल कनौजिया, अनुज यादव के साथ अपना दल व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय गुप्ता ने ये निर्णय

ने कानपुर कचहरी मे न्याय की लड़ाई लड़ने वाले निर्धन, असहाय पीड़ितों की मदद के लिए अपने अधिवक्ता साथियों संग मिलकर एक मुहिम चलाई है। जहां उनके द्वारा अधिवक्ताओं संग बैठक की है। बैठक मे जिला अध्यक्ष विजय गुप्ता ने कहा कि आज के समय मे ऐसे बहुत से निर्धन, असहाय और सब भाइयों ने यह प्रण लिया है कि ऐसे निर्धन और बेकसूर लोगों को न्याय दिलाने के लिए हम उनके साथ एक परिवार बन कर खड़े रहेगें और उनके द्वारा बताई गई हर स्थिति मे उनका सहयोग करेंगे। इस दौरान बैठक मे मौजूद सभी अधिवक्ता जिनमे महेंद्र पाल, पंकज श्रीवास्तव, प्रवीण शर्मा, विवेक कुमार, संदीप लिया है कि कचहरी मे आने वाले ऐसे निर्धन, असहाय लोग जो अपने अपने केस लड़ने के लिए अधिवक्ताओं को हायर करने मे असमर्थ है उनके केस को निःशुल्क लड़ा जाएगा। ताकि उन निर्धन, असहाय लोगों को भी न्याय मिल सके। जिस पर आए हुए सभी अधिवक्ताओं ने सहमति जताई है।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी का सुरेंद्र मैथानी के कार्यालय पर खाट बिछा कर नौकरियों में मांगा आरक्षण

कानपुर। दिव्यांगजनों का सरकारी नौकरियों में आरक्षण कोटा पुरा करवाने, सामाजिक समानता कानून बनाकर नौकरी, रोजगार, स्वास्थ, शिक्षा, सुरक्षा की सौ फसदी गारन्टी देने की मांग को लेकर राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों में खाट बिछाकर प्रदर्शन प्रदर्शन कर रही है आज इसी कड़ी में विधायक सुरेन्द मैथानी के कार्यालय पर खाट बिछाकर जोरदार प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपा इस दौरान दिव्यांगजन हांथों में तख्ती लिये था जिसमें लिखा था भिक्षा नहीं रोजगार चाहिए -जिने का अधिकार चाहिए हम अपना अधिकार मांगते,- नहीं किसी से भीख मांगते वीओः-- विधायक सुरेन्द मैथानी ने आस्वाशन दिया कि ज्ञापन को मुख्यमंत्री के पास पहुंचा कर मांगो को पुरा करवाने की पुरजोर कोशिष करूंगा राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि आन्दोलन को आगे बढाते हुए सांसदों के कार्यालयों पर प्रदर्शन होगा वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को दिव्यांगजनो के प्रति उनकी जिम्मेदारी का अहसास कराने लिये आन्दोलन किया जा रहा है जब तक दिव्यांगजनों की मांगे पुरी नहीं हो जाती तब तक इसी तरह जनप्रतिनिधियों के कार्यालयों पर प्रदर्शन जारी रहेगा!

आईआईए ने पुलिस साइबर क्राइम टीम को किया सम्मानित

कानपुर। साइबर क्राइम टीम के अच्छे काम को देखते हुए आईआईए ने पूरी टीम को ज्ञान वेजीटेरियन में सम्मानित किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीसीपी क्राइम आशीष श्रीवास्तव और एसीपी मोहसीन खान मौजूद रहे ।

कार्यक्रम में आईआईए के चेयरमैन और आईआईए के अन्य लोगो ने सभी उपस्थिद्ध पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया। वही डीसीपी क्राइम आशीष श्रीवास्तव का कहना है कि हाली में आईआईए के एक मेम्बर के साथ साइबर फ्रॉड हुआ था जिसको टीम ने संज्ञान में लेके उनको न्याय दिलाया और पूरे पैसों की रिकवरी भी जिसको देखते हुए साइबर क्राइम के अच्छे काम को देखते हुए आईआईए ने साइबर क्राइम की पूरी टीम को सम्मानित किया है।

कांग्रेस के झंडे में निकली आशुतोष की अंतिम यात्रा, नम आंखों से दी गई विदाई

संवाददाता

गोरखपुर। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष एवं शिक्षणेतर कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष तिवारी का अंतिम संस्कार बुधवार को गोला मुक्तिधाम में किया गया। कांग्रेस के झंडे में लिपटी अर्थी को जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान समेत कई कांग्रेस नेताओं और बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने कंधा दिया। ननिहाल ककरही गांव में भी शव को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था।बदरा तिवारी गांव निवासी आशुतोष तिवारी की ननिहाल गोला क्षेत्र के ककरही गांव में है।

गोरखपुर में पेट्रोल की जगह निकला पानी

संवाददाता

गोरखपुर। गोलघर काली मंदिर के पास इंडियन आयल के पेट्रोल पंप से बुधवार सुबह पेट्रोल की जगह पानी निकलने लगा। लोग पेट्रोल भराकर आगे बढ़े तो वाहन बंद होने लगे। कई बार कोशिश के बाद भी जगह वाहन नहीं स्टार्ट हुए तो मैकेनिक को बुलाकर दिखवाया।पता चला कि टंकी में पेट्रोल की जगह पानी भरा है। इसके बाद एक-एक कर लोग वाहन को धक्का लगाते हुए पेट्रोल पंप पर पहुंचे। यहां भीड़ इकट्ठा होने के बाद हंगामा शुरू हो गया। आपूर्ति विभाग ने पंप को सील कर दिया है। संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।काली मंदिर के बगल में गणेश दास रामगोपाल फिलिंग स्टेशन है। सुबह लोग पेट्रोल भराकर आगे बढ़े तो वाहन बंद होने लगे। बालापार रोड महराजगंज के प्रेम आनंद सिंह ने बताया कि एक हजार रुपये का पेट्रोल भराकर अभी तकरीबन दो सौ मीटर आगे बढ़ा था कि कार बंद हो गई। अचानक कार बंद होने से परेशान हो गया। काफी प्रयास के बाद भी कार स्टार्ट नहीं हुई तो मैकेनिक को बुलाया।उसने टंकी चेक की तो पेट्रोल की जगह पानी मिला। इसके बाद किसी तरह कार को धक्का देकर वापस पेट्रोल पंप पर पहुंचा। मैकेनिक से टंकी साफ कराने के नाम पर रुपये खर्च करने पड़े। हालांकि संचालक ने पेट्रोल के रुपये वापस कर दिए। कुछ की टंकी में एक्स्ट्रा प्रीमियम ब्रांड पेट्रोल डाला गया।प्रेम आनंद सिंह ने आपूर्ति विभाग को सूचना दी तो वरिष्ठ आपूर्ति निरीक्षक अरुण सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने इंडियन आयल के अफसर को भी बुला लिया। जांच के बाद पंप सील कर टंकी पूरी तरह साफ कराने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि संचालक से स्पष्टीकरण मांगा गया है।पेट्रोल में एथेनाल मिला होता है। यह पेट्रोल जैसे ही पानी के संपर्क में आता है, एथेनाल पानी बन जाता है। ज्यादातर वर्षा के मौसम में ऐसा होता है। वर्षा का पानी रिस कर यदि किसी तरह टंकी में चला जाता है।

बिहार पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र की तलाश में नैनी के अस्पताल में मारा छापा

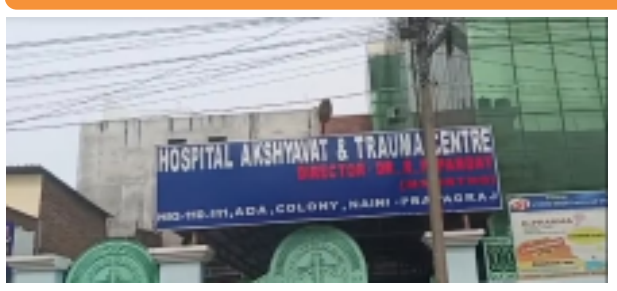

प्रयागराज(संवाददाता)। नीट परीक्षा में सॉल्वर गैंग बैठाने के आरोप में नामजद डॉक्टर आरपी पांडेय और उनके बेटे ऋषभ की तलाश में बिहार के मुजफ्फरपुर की पुलिस ने छापेमारी की। पिता-पुत्र का पता नहीं चला। पुलिस स्टाफ से पूछताछ के बाद वापस लौट गई। नीट परीक्षा में अपने स्थान पर सॉल्वर बैठाने के मामले में आरोपी बनाए गए डॉक्टर आरपी पांडेय और उनके बेटे ऋषभ पांडेय की तलाश में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले की पुलिस ने बुधवार को नैनी स्थित अक्षयवट अस्पताल में छापा मारा। अस्पताल के मालिक और उसके बेटे के बारे में पूछताछ की। स्टाफ से पूछताछ के बाद पुलिस लौट गई। छापेमारी से अस्पताल में खलबली मची रही। नैनी में अक्षयवट अस्पताल चलाने वाले डॉ. आरपी पांडेय के पुत्र ने नीट परीक्षा के लिए आवेदन किया था। उसका परीक्षा केंद्र बिहार के मुजफ्फरपुर में बनाया गया था। पेपर लीक होने के बाद जांच के दौरान पता चला कि डॉ. आरपी पांडेय ने बेटे ऋषभ पांडेय के स्थान पर परीक्षा देने के लिए सॉल्वर को बैठाया था।इस मामले में मितुनपुर थाने में पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसी मामले में आरोपियों से पूछताछ और उनकी गिरफ्तारी के लिए मितुनपुर थाने के दरोगा निशांत कुमार दिन में करीब 11 बजे नैनी स्थित डॉ. पांडेय के अक्षयवट अस्पताल पहुंचे। इससे यहां पर अफरातफरी मच गई। छापेमारी की सूचना पाकर पिता-पुत्र पहले से ही फरार चल रही है। पुलिस करीब आधे घंटे तक अस्पताल में रही और स्टाफ से पूछताछ के बाद वापस लौट गई। बताया जाता है कि डॉ. पांडेय का पचदेवरा में भी एक अस्पताल है। पुलिस वहां भी पहुंची थी।

प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर बनेंगे लाउंज और स्लीपिंग पॉड

प्रयागराज(संवाददाता)। महाकुंभ मेले के पूर्व प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को एग्जीक्यूटिव लाउंज और स्लीपिंग पॉड की सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। रेलवे प्रशासन ने शहर के दूसरे सबसे व्यस्त स्टेशन प्रयागराज छिवकी में लाउंज और स्लीपिंग पॉड बनाने की तैयारी शुरू की है। इसके लिए अगले माह टेंडर प्रक्रिया रेलवे द्वारा शुरू की जाएगी।प्रयागराज में अगले महाकुंभ होना है। देश के तमाम प्रांतों से लाखों लोग महाकुंभ के दौरान पहुंचेंगे। इसलिए रेलवे भी यात्री सुविधा के मद्देनजर तमाम तैयारियां कर रहा है। इसी क्रम में रेलवे ने प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन के सरकुलेटिंग एरिया में एग्जीक्यूटिव लाउंज और स्लीपिंग पॉड बनाने की तैयारी की है। रेलवे इसकी टेंडर प्रक्रिया अगले माह शुरू करेगा।टेंडर आवंटित होते ही जुलाई के अंत तक यहां लाउंज और स्लीपिंग

पॉड बनाने का काम शुरू हो जाएगा। एग्जीक्यूटिव लाउंज की बात करें तो यहां यात्रियों के बैठने के लिए आरामदायक सोफा, कैफेटेरिया और डीलक्स शौचालय की व्यवस्था होगी। इस लाउंज में फ्रेश होने के साथ ही चाय-स्नैक्स की सुविधा मिलेगी। यहां यात्रियों को घंटे के हिसाब से पैसे खर्च करने होंगे। किराये का निर्धारण बाद में होगा। इसके अलावा लाउंज में यात्रियों को पीने का पानी, वाई-फाई, टीवी के साथ समाचार पत्र और पत्रिकाएं भी मिलेंगी।प्रयागराज जंक्शन की तरह यहां भी चार तरह के पॉड बनाए जाएंगे। इसमें अकेले ठहरने वालों के लिए, दो लोगों के लिए, अकेली महिलाओं और परिवार के साथ रहने के लिए स्लीपिंग पॉड बनाए जाएंगे। प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे ने स्लीपिंग पॉड तैयार भी कर लिया है। इसका उद्घाटन किसी भी दिन हो सकता है। उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह का कहना है कि छिवकी रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज और स्लीपिंग पॉड बनने हैं। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी।

संक्षिप्त समाचार

नींव खुदाई के समय हुआ हंगामा, मस्जिद बनाने का आरोप

एटा(संवाददाता)। अलीगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव अगौनापुर में एक समुदाय की ओर से नींव खुदाई की जा रही थी। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। बताया कि गांव में अनधिकृत रूप से मस्जिद के निर्माण के लिए नींव खोदी जा रही है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और निर्माण कार्य रुकवा दिया ।गांव अगौनापुर में बुधवार को एक समुदाय के कुछ लोग मकान बनवाने के लिए नींव खुदवा रहे थे। दूसरे पक्ष के लोगों को लगा कि यह लोग अनधिकृत रूप से यहां मस्जिद का निर्माण कराएंगे। यह देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने नींव खुदाई का काम रुकवा दिया। निर्माण कार्य करने वाले व्यक्ति का कहना है कि वह अपना मकान बनवाने के लिए नींव खुदवा रहा है। शिकायतकताओं से बात की गई तो उन्होंने बताया कि पहले भी यहां मस्जिद के नाम पर नींव की खुदाई की गई थी। इसलिए हमें लगा कि यह लोग उसके लिए ही दोबारा से नींव खुदवा रहे हैं।सीओ अलीगंज सुधांशु शेखर ने बताया कि व्यक्तिगत रूप से मकान बनवाने के लिए नींव खोदी जा रही थी। फिलहाल काम रुकवा दिया गया है और राजस्व अभिलेखों की जांच के लिए कहा गया है। मस्जिद निर्माण की सारी बातें बेबुनियाद हैं।

उल्टी-दस्त से बच्चे की मेडिकल कॉलेज में मौत, हंगामा

एटा(संवाददाता)। मेडिकल कॉलेज के बच्चा वार्ड में बुधवार की सुबह उल्टी-दस्त से 4 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बच्चे के पिता ने चिकित्सक सहित स्वास्थ्यकर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। बताया रात के समय कर्मियों से कहा लेकिन किसी ने कोई सुनवाई नहीं की। करीब 5 घंटे बाद परिजन बच्चे के शव को लेकर गए।शहर के होली मोहल्ला निवासी रहीश ने बताया उसके 4 वर्षीय बेटा मोहम्मद आइल को मंगलवार को उल्टी-दस्त की समस्या हुई। वह मेडिकल कॉलेज में लेकर आया। यहां चिकित्सक ने देखने के बाद उसे वार्ड में भर्ती कर लिया। इस दौरान एक ड्रिप लगाई गई उसमें कुछ इंजेक्शन डाल दिए गए। मंगलवार की रात 10 बजे चिकित्सक देखने आए तो चिकित्सक ने बताया ड्रिप चढ़ गई है। कोई दिक्कत वाली बात नहीं है एक पाउडर लिख दिया।वह बाहर से खरीदकर लाए उसको पानी में डालकर पिलाने को कहा।

सोमवार को एसएसपी के यहां होना था समझौता

एटा(संवाददाता)। कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव नगला पाती में सोमवार की सुबह एक प्रेमी युगल गांव के बाहर पेड़ से लटकते मिले थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव का पोस्टमार्टम कराया। रिपोर्ट में दोनों की मौत हैंगिंग तथा युवती द्वारा सल्फास का सेवन भी बताया गया। दोनों ही परिवारों में गमगीन माहौल है। बताया गया दोनों का एसएसपी के यहां समझौता होना था।मृतक आकाश के पिता ने बताया कि सोमवार को ही दोनों पक्ष एसएसपी के यहां जाने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही दोनों के शव सुबह गांव के बाहर नीम के पेड़ पर लटके मिले। उनका आरोप है कि लड़की पक्ष द्वारा ही दोनों बच्चों की हत्या की गई है। 19 जून को हुई पंचायत में यह निर्णय लिया गया था कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर जो निर्णय होगा उसको माना जाएगा।

सारा दिन घनघनाता रहता है कंट्रोल रूम का फोन, सौ से ज्यादा आ रही हैं शिकायतें

संवाददाता

कौशाम्बी। मानसून के दस्तक के साथ बिजली बिजली आपूर्ति की समस्या बढ़ गई। बूंदाबांदी या मध्यम वर्षा होने के कारण फॉल्ट और ट्रिपिंग की समस्या आ रही है। रोजाना कंट्रोल रूम में लोग शिकायतें दर्ज करा रहे हैं, जिन्हें दूर करने में काफी वक्त लग रहा है। देहात में समस्या ज्यादा है।मंझनपुर उपकेंद्र में मंगलवार रात से सुबह तक विभिन्न फीडरों में फॉल्ट व लाइन ट्रिप होने की शिकायतें दर्ज होना शुरू हो गई थीं। यह सिलसिला रात तक जारी रहा। सौ से ज्यादा शिकायतें दर्ज कराई गईं। समस्या आने पर फीडर की लाइन बंद कर उसे सुधारने के लिए लाइनमैन दौड़ भाग करते रहे। मंगलवार रात 12.0 बजे टेंवा से ब्रेक डाउन हो गया। इसकी वजह से 20 मिनट तक उपकेंद्र से जुड़े सभी फीडरों में आपूर्ति बाधित रही। न्यू भरवारी फीडर में भोर 4.25 बजे ब्रेक डाउन हो गया। यहां की आपूर्ति सुबह सात बजे बहाल हो सकी। यही हाल कामोवेश सभी फीडरों का रहा।

मजदूर की दांत से नाक काटी, छीन लिए 16 हजार रुपये

संवाददाता

कौशाम्बी। पिपरी कोतवाली के सैदपुर बालूघाट के समीप मंगलवार को पैसा लेकर घर जा रहे मजदूर पर युवक ने हमला कर दिया। मजदूर की नाक को दांत से काट लिया और रुपयों से भरा थैला लेकर भाग निकला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया।सैदपुर गांव निवासी रामप्रकाश निषाद यमुना घाट पर साथी मजदूरों के साथ ट्रकों में बालू लादने का काम करता है। मंगलवार रात वह साथी मजदूरों के बालू लोडिंग का पैसा लेकर पैदल घर जा रहा था। रास्ते में गांव का ही एक युवक उसे मिला और उससे जबरन थैला छीनने का प्रयास करने लगा। आरोप है कि विरोध करने पर उसने दांत से उसकी नाक काट ली। जिसके बाद वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। इस पर आरोपी 16 हजार रुपये से भगा थैला लेकर भाग निकला।

इंद्रजीत के मौत मामले में हत्या की एफआईआर दर्ज करने का आदेश

संवाददाता

कौशाम्बी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपक कुमार जायसवाल ने बुधवार को हत्या के एक मामले में थानाध्यक्ष करारी को मुकदमा दर्ज कर विवेचनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया है। आरोपियों के खिलाफ युवक को फांसी पर लटका कर हत्या करने का आरोप है।करारी कोतवाली के रसूलपुर सोनी निवासी इंद्रजीत चौधरी का 22 नवंबर 2023 की शाम घर में फांसी के फंदे पर लटका शव मिला था। मामले में इंद्रजीत की मां कलावती ने गांव के पांच लोगों के खिलाफ हत्या कर शव फंदे पर लटकाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। आरोप है कि थाना पुलिस के चक्कर लगाने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं होने पर इंद्रजीत की मां ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। बुधवार को सीजेएम कोर्ट में प्रार्थनापत्र पर बहस करते हुए कलावती के अधिवक्ता राजेंद्र पांडेय ने घटना को गंभीर बताते हुए मामले की विवेचना कराने का अनुरोध किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीजेएम दीपक कुमार जायसवाल ने करारी एसओ को मुकदमा दर्ज कर विवेचनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया है।

पत्नी की मौत से आहत युवक ने नए पुल से यमुना में लगाई छलांग

प्रयागराज(संवाददाता)। पुष्प पांडेय (30) हाईड्रिल कॉलोनी सिविल लाइंस में रहता है। परिजनों के अनुसार

उसकी पत्नी का निधन हो गया। इससे दुखी होकर उसने नैनी नए पुल पर जाकर खंभा नंबर 18 से यमुना में छलांग लगा दी।पत्नी की मौत से आहत युवक ने बृहस्पतिवार को नए पुल से यमुना में छलांग लगा दी। यहां पर तैनात पीएसी बाढ़ राहत के जवानों ने यमुना में कूदकर काफी मशक्कत के बाद युवक को सकुशल बाहर निकाल लिया। युवक शहर के हाईड्रिल कॉलोनी का निवासी बताया जा रहा है। पूछताछ में उसने बताया कि उसकी पत्नी की मौत हो गई है। जिससे दुखी होकर उसने दाह संस्कार के पहले ही जान देने का फैसला किया।पुष्प पांडेय (30) हाईड्रिल कॉलोनी सिविल लाइंस में रहता है। परिजनों के अनुसार उसकी पत्नी का निधन हो गया। इससे दुखी होकर उसने नैनी नए पुल पर जाकर खंभा नंबर 18 से यमुना में छलांग लगा दी। यहां पर तैनात पीएसी बाढ़ दल के जवानों ने युवक को यमुना में कूदते देख बचाव कार्य शुरू कर दिया। जाल फेंककर युवक को पानी से बाहर निकाला। उसका उपचार स्थानीय चिकित्सालय में कराया गया। युवक की जान बचाने वाले पीएसी के जवान रोहित, रंजीत कुमार और पाली प्रभारी परमात्मा यादव, दलनायक मिथिलेश कुमार राय की लोगों ने काफी सराहना की। उपचार कराने के बाद युवक को कीडगंज थाने की पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया है।

14 साल बाद पता चला पत्नी मुस्लिम है

इलाहाबाद विवि के असिस्टेंट प्रोफेसर ने पत्नी पर दर्ज कराया मुकदमा

प्रयागराज(संवाददाता)। पत्नी के उत्पीड़न से परेशान इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। प्रोफेसर का आरोप है कि धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम धर्म स्वीकार करने की बात छिपाकर महिला ने उनसे शादी की। अब मामला का खुलासा होने पर वह मारपीट कर रही है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अमरेंद्र त्रिपाठी ने पत्नी व सास-ससुर पर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि उनसे धर्म परिवर्तन की बात छिपाकर शादी की गई। विरोध करने पर उत्पीड़न किया जा रहा है और जान से मारने की धमकी दी जा रही है। सोशल मीडिया पर फर्जी फोटो डालकर बदनाम किया जा रहा है। पुलिस धोखाधड़ी, मारपीट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुटी है।क्लाइव रोड निवासी भुक्तभोगी ने पुलिस को बताया कि जून 2011 में उनका विवाह गुवाहाटी असम निवासी महिला से हुआ। आरोप है कि 13 मई को कमरे से मिले कुछ कागजात से पता चला कि उनकी पत्नी ने शादी से पहले ही धर्म परिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण कर लिया था। साथ ही उसी धर्म के युवक से शादी भी कर ली थी।इस बात को छिपाकर उनसे शादी रचाई। 2012 में पता चला कि वह गुटखा खाती है, जिसके विरोध पर कलाई की नस काटकर खुदकुशी का प्रयास किया। इसके बाद से लगातार गलत आदतों के विरोध पर उनसे व उनकी माता से मारपीट करती रही। वह लगातार उनके चरित्र के बारे में अनर्गल बातें फैला रही है और बदनाम करने की धमकी दे रही है। छोटी छोटी बातों पर आत्महत्या की धमकी और प्रयास से उनके साथ रहना मुश्किल हो गया है।आरोप है कि दो बार लैपटॉप पटककर तोड़ दिया। विश्वविद्यालय जाकर मुझे बदनाम करने की धमकी देती है। अपने व्हाट्सएप स्टेटस और फेसबुक पर सहकर्मियों और छात्राओं के साथ के फर्जीस्क्रीन शॉट लगाकर बदनाम कर दिया है।27 मई को सहकर्मियों के साथ हुई निजी बातचीत के झूठे स्क्रीन शॉट्स का स्टेट्स और डीपी लगा दिया । 31 मई को फेसबुक पर तलाक की घोषणा कर दी। पिछले कुछ महीनों से पहड़िया, वाराणसी के एक व्यक्ति से निरंतर संपर्क में है और उसके दम पर जान से मारने और झूठे आपराधिक मामले में फंसाने की धमकी दे रही है।यही नहीं क्लाइव रोड स्थित घर से 23 मई से उन्हें बाहर निकाल दिया और तब से वह सैनिक कॉलोनी, धूमनगंज में रह रहे हैं। सिविल लाइंस प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि पति-पत्नी के बीच विवाद की बात सामने आई है। तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच की जा रही है।

पत्नी को बदचलन साबित करने के लिए बच्चों का नहीं करा सकते डीएनए टेस्ट: हाईकोर्ट

प्रयागराज(संवाददाता)। न्यायमूर्ति राहुल चतुवेर्दी की अदालत ने कासगंज निवासी डॉ. इफराक उर्फ मोहम्मद इफराक हुसैन की याचिका निरस्त करते हुए यह तल्ख टिप्पणी की। थाना गंजडुंडवारा क्षेत्र के डॉ. इफराक का शाजिया परवीन से 12 नवंबर 2013 को निकाह हुआ था।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी को बदचलन साबित करने के लिए बेटियों के डीएनए टेस्ट की मांग करने वाले डॉक्टर पति को जोर का झटका दिया है। बेटियों को गुजारा भत्ता देने के आदेश के खिलाफ दाखिल अर्जी खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि पत्नी को चरित्रहीन साबित करने के लिए बच्चों का डीएनए टेस्ट नहीं करा सकते। डीएनए टेस्ट भरण पोषण से बचने का हथियार नहीं है।न्यायमूर्ति राहुल चतुवेर्दी की अदालत ने कासगंज निवासी डॉ. इफराक उर्फ मोहम्मद इफराक हुसैन की याचिका निरस्त करते हुए यह तल्ख टिप्पणी की। थाना गंजडुंडवारा क्षेत्र के डॉ. इफराक का शाजिया परवीन से 12 नवंबर 2013 को निकाह हुआ था। करीब चार साल दोनों के बीच संबंध ठीक-ठाक चले। इस बीच उन्हें दो बेटियां हुईं। 2017 में रिश्तों में दरार आ गई। शाजिया अपने मायके आ गई।इस बीच, शाजिया ने गुजारा भत्ता की मांग को लेकर ग्राम न्यायालय पटियाली में वाद दाखिल किया। पति ने इस पर आपत्ति करते हुए पत्नी पर व्यभिचार का आरोप लगा दिया। आरोप को सिद्ध करने के लिए उसने अपनी दोनों बेटियों का डीएनए टेस्ट कराने की मांग की। कोर्ट ने यह मांग खारिज करते हुए पत्नी को 10,000 और दोनों बेटियों को 5,000-5,000 रुपये हर महीने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया।डॉक्टर ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि डॉक्टर ने व्यक्तिगत रूप से एक बेटी का नमूना लेते हुए हैदराबाद स्थित प्रयोगशाला से डीएनए टेस्ट कराया है। इसमें वह उसका जैविक पिता नहीं है। कोर्ट ने रिपोर्ट को कचरा बताते हुए कहा कि भरण पोषण से बचने के लिए डीएनए टेस्ट की नौटंकी नहीं चलेगी, क्योंकि यह रिपोर्ट याची ने अपनी व्यावसायिक पहुंच का इस्तेमाल करते हुए हासिल की है।कोर्ट ने कहा, असाधारण परिस्थितियों को देखते हुए कोई कोर्ट ही डीएनए जांच का आदेश दे सकती है। अगर सबको इसकी स्वतंत्रता दे दी गई तो पितृत्व को चुनौती देने के लिए भानुमति का पिटारा खुल जाएगा। सामान्य रूप से ऐसी जांच की मांग करना पत्नी और बच्चों का अपमान है। कोर्ट ने कहा कि डीएनए टेस्ट अंतिम उपाय होना चाहिए। यह पति की जिम्मेदारी है कि वह साबित करे कि शारीरिक या किसी अन्य कारण से वह पत्नी के साथ संबंध में नहीं था। वह चाहे तो अन्य सबूतों से पत्नी के चरित्रहीन होने को साबित कर सकता है, केवल डीएनए टेस्ट से नहीं।

करंट लगने से किसान की मौत, गोशाला में मवेशियों को चारा डालते समय लगा झटका

प्रयागराज(संवाददाता)। मधूकापुरा गांव निवासी किसान राजेश प्रसाद पांडेय (55) घर पर रहकर किसानी करते थे। बृहस्पतिवार को वह रोज की तरह

गोशाला में मवेशियों को चारा पानी दे रहे थे। इसी दौरान किसी तार के संपर्क में आने से उन्हें जोरदार करंट लग गया।करछना थाना क्षेत्र के मधूकापूरा गांव में करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई। परिजन तत्काल उसे लेकर पास के अस्पताल में गए, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

उम्रकैद की सजा पाए इसरार ने सीबीआई कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में दी चुनौती

प्रयागराज(संवाददाता)। अपील में सीबीआई की विशेष अदालत लखनऊ के 4 अप्रैल24 के आजीवन कारावास की सजा के आदेश को चुनौती दी गई है। अपील में सजा को निलंबित कर जमानत पर रिहा करने की मांग की गई है।विधायक राजू पाल की जनवरी 2005 में प्रयागराज के सुलेमसराय में हत्या कर दी गई थी।पूर्व विधायक राजूपाल हत्याकांड की पत्रावली इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तलब की है। अभियुक्त इसरार अहमद की आजीवन कारावास की सजा के खिलाफ आपराधिक अपील पर हाईकोर्ट ने सीबीआई को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति राजीव गुप्ता और न्यायमूर्ति अजहर हुसैन इदरीसी की खंडपीठ मामले की सुनवाई कर रही है।

मुर्गा चोरी के आरोप से तीस साल बाद ननके साबित हुए बेगुनाह

प्रयागराज(संवाददाता)। मामला प्रयागराज के घूरपुर थाना क्षेत्र का है। पचखरा गांव के राम गरीब ने चार फरवरी 1994 को ननके सिंह और मशहूर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि रात आठ बजे ननके सिंह उसका मुर्गा चोरी कर भाई लाल के घर चिकन बनवा रहा था। जानकारी होने पर जब वह ग्राम प्रधान गंगा सिंह को लेकर मौके पर पहुंचा तो ननके चिकन कुएं में फेंक कर भागने लगा। जिला अदालत में दो मुल्जिमों पर मुर्गा चोरी का मुकदमा तीस साल चला। अब जाकर एक बेगुनाह साबित हुआ। जबकि दूसरे की मौत हो चुकी है। गवाही से मुकरने वाले मुद्दई के खिलाफ कोर्ट ने मुकदमा चलाने का आदेश दिया है। यह फैसला अपर विशेष न्यायाधीश रत्नेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने सुनाया है।मामला प्रयागराज के घूरपुर थाना क्षेत्र का है। पचखरा गांव के राम गरीब ने चार फरवरी 1994 को ननके सिंह और मशहूर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि रात आठ बजे ननके सिंह उसका मुर्गा चोरी कर भाई लाल के घर चिकन बनवा रहा था। जानकारी होने पर जब वह ग्राम प्रधान गंगा सिंह को लेकर मौके पर पहुंचा तो ननके चिकन कुएं में फेंक कर भागने लगा। उसे पकड़ने की कोशिश की तो मौके पर पहुंचे मशहूर सिंह ने ननके संग मिल कर उसकी पिटाई की और जाति सूचक गालियां दी। तहरीर में बताया गया था कि यह पहली बार नहीं था। इससे पहले भी ननके उसका बत्तख चुरा कर खाया था।पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना की और ननके सिंह और मशहूर सिंह के खिलाफ चोरी और दलित उत्पीड़न की धाराओं में आरोप पत्र दाखिल किया। एससी-एसटी की विशेष अदालत में तीस साल चले मुकदमे के दौरान मशहूर सिंह की 2004 में मौत हो गई। कोर्ट में बयान देने पहुंचे मुद्दई राम गरीब ने अपनी कहानी का समर्थन नहीं किया। इसके बाद कोर्ट ने ननके को बेगुनाह करार दिया।1994 में दर्ज प्रकरण का निस्तारण करते हुए कोर्ट ने कहा कि मुल्जिमों को तीस साल विचारण की वेदना में रहना पड़ा। राम गरीब अपनी कहानी से मुकर गया। इससे स्पष्ट होता है कि उसने झूठा साक्ष्य गढ़ा है। जिसके लिए उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने जिलाधिकारी प्रयागराज को पत्र भेज मुद्दई को दिए गए सरकारी अनुदान की वसूली कराने का निर्देश भी दिया है।

रेल हादसे के बाद रोकनी पड़ी नार्थ ईस्ट

मुरी समेत दर्जन भर ट्रेनें

प्रयागराज(संवाददाता)। प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर आठ से दोपहर 3.05 बजे 59 वैगन की खाली मालगाड़ी चली। स्टेशन मास्टर पावर केबिन ने सूचना दी कि स्टेशन यार्ड में गाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतर गए हैं। इससे अप और डाउन लाइन ब्लॉक हो गई है।प्रयागराज जंक्शन के यार्ड स्थित निरंजन पुल पर रेल हादसे के बाद मुरी, नार्थ ईस्ट समेत दर्जन भर ट्रेनों को छोटे स्टेशनों पर रोका गया। ट्रेने खड़ी होने से उमस भरी गर्मी में यात्री परेशान रहे। इस बीच रेलवे ने मालगाड़ी को पटरी पर दोबारा चढ़ाने, अप और डाउन लाइन खोलने का काम तेजी से किया। चार घंटे में ही अप और डाउन लाइन पर रेल संचालन बहाल कर दिया गया।प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर आठ से दोपहर 3.05 बजे 59 वैगन की खाली मालगाड़ी चली। स्टेशन मास्टर पावर केबिन ने सूचना दी कि स्टेशन यार्ड में गाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतर गए हैं। इससे अप और डाउन लाइन ब्लॉक हो गई है। जांच में ट्रेन के 17, 18 और 19 वां वैगन पटरी से उतरे मिले।जिस स्थान पर हादसा हुआ वहां से कुल छह लाइनें गुजरती हैं। दो लाइन प्रयाग जंक्शन, एक लाइन प्रयागराज रामबाग, एक लूप लाइन औ दो लाइन नैनी की ओर जाती हैं। घटना के बाद सभी छह लाइनों पर रेल संचालन बाधित हो गया। शाम पौने पांच के पूर्व गैस कटर से पटरी से उतरे वैगनों को काटकर अलग किया गया। इसके बाद मालगाड़ी के आगे का हिस्सा नैनी तो पीछे का हिस्सा प्रयागराज जंक्शन भेजा गया।हादसे की वजह से 12308 जोधपुर-हावड़ा, 12506 नार्थ ईस्ट, 12312 नेताजी एक्सप्रेस, 12826 आनंद विहार-रांची, 12488 सीमांचल एक्सप्रेस, 18310 मुरी एक्सप्रेस, 15484 महानंदा एक्सप्रेस आदि ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोका गया।

इविवि एसोसिएट प्रोफेसर ने पत्नी पर दर्ज कराया केस

प्रयागराज(संवाददाता)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अमरेंद्र त्रिपाठी ने पत्नी व सास-ससुर पर सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि उनसे धर्म परिवर्तन की बात छिपाकर शादी की गई। इसके बाद गलत आदतों, जिसमें गुटखा खाना भी शामिल है, के विरोध पर लगातार उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। पुलिस धोखाधड़ी, मारपीट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच में जुटी है।क्लाइव रोड निवासी भुक्तभोगी ने पुलिस को बताया कि जून 2011 में उनका विवाह गुवाहाटी असम निवासी महिला से हुआ। आरोप है कि 13 मई को कमरे से मिले कुछ कागजात से पता चला कि उनकी पत्नी ने शादी से पहले ही धर्म परिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण कर लिया था। साथ ही उसी धर्म के युवक से शादी भी कर ली थी। इस बात को छिपाकर उनसे शादी रचाई। 2012 में पता चला कि वह गुटखा खाती है, जिसके विरोध पर कलाई की नस काटकर खुदकुशी का प्रयास किया। इसके बाद से लगातार गलत आदतों के विरोध पर उनसे व उनकी माता से मारपीट करती रही। वह लगातार उनके चरित्र के बारे में अनर्गल बातें फैला रही है और बदनाम करने की धमकी दे रही है।छोटी छोटी बातों पर आत्महत्या की धमकी और प्रयास से उनके साथ रहना मुश्किल हो गया है। आरोप है कि दो बार लैपटॉप पटककर तोड़ दिया। विश्वविद्यालय जाकर मुझे बदनाम करने की धमकी देती है। अपने व्हाट्सएप स्टेटस और फेसबुक पर सहकर्मियों और छात्राओं के साथ के फर्जीस्क्रीन शॉट लगाकर बदनाम कर दिया है।

सम्पादकीय...

बिरला फिर स्पीकर

भले ही 18वीं लोकसभा की शुरूआत सत्तापक्ष व विपक्ष के बीच मतभेद–असहमति के बीच हुई, लेकिन जैसा अपेक्षित था ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर पद के लिये चुने गए। इससे पहले एनडीए गठबंधन सरकार की आकांक्षा थी कि विपक्ष स्पीकर पद के लिये ओम बिरला का समर्थन करे, लेकिन विपक्ष लोकसभा उपाध्यक्ष पद को लेकर अड़ा रहा। संसद में संख्याबल के आधार पर एनडीए की दावेदारी तय थी, मगर प्रतीकात्मक विरोध के लिये इंडिया गठबंधन ने सबसे अनुभवी सांसद के. सुरेश को स्पीकर पद के लिये अपना उम्मीदवार बनाया। इस बीच मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के घर हुई बैठक के बाद रात्रि में पार्टी ने घोषणा की कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष होंगे। ओम बिरला के लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी बधाई दी। राहुल ने कहा कि भले ही सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी देश के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व कर रहा है। दरअसल, इंडिया गठबंधन कहता रहा है कि सरकार संसदीय परंपरा को दरकिनार करके डिप्टी स्पीकर पद विपक्ष को देने से इनकार कर रहा है। जबकि आम धारणा रही है कि डिप्टी स्पीकर पद विपक्ष को दिया जाता है। सत्ता पक्ष की दलील थी कि लोकसभा अध्यक्ष किसी दल विशेष का नहीं होता वरन सदन चलाने के लिये सब की सहमति से चुना जाता है। सत्ता पक्ष का आरोप है कि इंडिया गठबंधन दबाव की राजनीति कर रहा है। वहीं एक रोचक पहलू यह भी है कि पिछली लोकसभा में डिप्टी स्पीकर पद पर कोई चुना ही नहीं गया। राजनीतिक पंडित इस नियुक्ति को संविधान के अनुसार अनिवार्य बताते हैं। बताया जाता है कि 1969 तक कांग्रेस ने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद अपने ही पास रखे। कालांतर अपनी सुविधा के अनुरूप विपक्षी दलों से यह पद साझा किया गया। बहरहाल, 18वीं लोकसभा का नया घटनाक्रम यह है कि मंगलवार को कांग्रेस ने राहुल गांधी को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया है। यहां उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में चुनावी राजनीति में आने के बाद पहली बार राहुल गांधी किसी संवैधानिक पद पर आसीन हुए हैं। इससे पहले 2019 में पार्टी की पराजय को स्वीकार कर उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया था। बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष पद पर ओम बिरला के चयन के बाद उन्होंने परिपक्व ढंग से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि स्पीकर का दायित्व है कि विपक्ष के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करे। बहरहाल, दस साल बाद लोकसभा को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है। दरअसल, दो आम चुनावों में कांग्रेस सांसदों का दस फीसदी हासिल नहीं कर पायी थी, जिसके चलते वह नेता प्रतिपक्ष का पद न पा सकी। इस बार के आम चुनाव में 99 सीटें हासिल करके कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष का अधिकार हासिल किया। इंडिया गठबंधन का दावा है कि राहुल अब विपक्ष की आवाज बनेंगे। हालांकि, इस बार लोकसभा में उनकी मां सोनिया गांधी नहीं होंगी, क्योंकि वे राज्यसभा के लिये चुनी गयी हैं। लेकिन वायनाड उपचुनाव के जरिये प्रियंका गांधी के लोकसभा पहुंचने की प्रबल संभावना है।

इंडिया ब्लॉक के लिए अगले तीन महीने महत्वपूर्ण

नित्य चक्रवर्ती

24 जून को 18वीं लोकसभा का प्रथम सत्र शुरू हुआ, जिसमें

तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी और एनडीए गठबंधन का नेतृत्व कर रही उनकी पार्टी भाजपा के लिए दो अशुभ संकेत मिले। पहला, देश के सभी क्षेत्रों के लाखों छात्रों से जुड़ी नीट परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने का बड़ा घोटाला और दूसरा अयोध्या में नये मंदिर की छत से पानी का रिसाव, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने इस साल 22 जनवरी को किया था। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने उसी दिन शिकायत की, जिस दिन प्रधानमंत्री अपने भाजपा संसद सदस्यों को नयी सरकार के कार्यक्रम के बारे में संबोधित कर रहे थे। विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए, पहला दिन भारतीय संविधान की प्रति लेकर मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन के रूप में चिह्नित किया गया था क्योंकि संविधान की रक्षा 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया के घटकों के चुनाव अभियान का मुख्य बिंदु था। मौजूदा सत्र में भी विपक्षी दल नरेंद्र मोदी शासन के पिछले दस वर्षों में हुए लोकतंत्र के पिछड़ने की प्रक्रिया को उलटने के लिए संघर्ष करेंगे। वास्तव में, संयुक्त विपक्ष के लिए, वर्तमान अवधि न केवल लोकसभा चुनावों में हासिल की गयी बढ़त को मजबूत करने के लिए बल्कि इंडिया ब्लॉक का विस्तार करने के लिए भी एक अच्छा समय है, जिसमें कुछ और राजनीतिक दल शामिल हैं जो 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद खुद को भाजपा से दूर कर रहे हैं, भले ही वे हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन करते थे। तात्कालिक महत्व की पार्टी है ओडिशा का बीजू जनता दल (बीजेडी), जिसे 2024 के लोकसभा चुनावों में लोकसभा में कोई सीट नहीं मिली और विधानसभा चुनावों में भी भाजपा ने उसे हरा दिया। बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक ने चुनाव के बाद की स्थिति की गहन समीक्षा की है। उन्होंने भाजपा के साथ अपनी पिछली सहमति को खत्म करने का फैसला किया है और अपने नौ राज्यसभा सांसदों को विपक्ष के साथ समन्वय करने और नीतियों पर नरेंद्र मोदी सरकार से लड़ने का निर्देश दिया है। यह इंडिया ब्लॉक के लिए एक सकारात्मक विकास है क्योंकि 2024 के चुनावों तक, नवीन पटनायक एनडीए के साथ समझ बनाये हुए थे, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी के साथ। बीजद ने महत्वपूर्ण विधेयकों पर सरकार के पक्ष में मतदान किया। लेकिन 24 जून को, बीजद सुप्रीमो ने अपने पिछले रुख से एक तेज बदलाव का संकेत दिया और राज्यसभा सदस्यों से एक मजबूत और जीवंत विपक्ष के रूप में काम करने के लिए कहा, जो केंद्र को सभी मुद्दों पर जवाबदेह बनायेगा। बीजद सुप्रीमो के रुख में यह बदलाव मौजूदा सत्र में राज्यसभा में विपक्ष के कामकाज पर असर डालेगा। राज्यसभा में बीजद के नौ सदस्य हैं। वर्तमान में, 245 सदस्यों वाले सदन में इंडिया ब्लॉक के 85 सदस्य हैं। यदि बीजेडी सदस्य इसमें शामिल होते हैं, तो यह संख्या 94 हो जायेगी। इसके अलावा, वाईएसआरसीपी के पास राज्यसभा में 11 सदस्य हैं। वाईएसआरसीपी सुप्रीमो ने उनसे बात की है और उनसे भी इंडिया ब्लॉक के साथ सहयोग करने की उम्मीद है। उस स्थिति में, विपक्ष की ताकत 105 हो जायेगी। इससे वर्तमान राज्यसभा में विपक्ष की ताकत में काफी वृद्धि होगी। बीजेडी और वाईएसआरसीपी के सदस्यों ने पहले ही टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं से बात की है। टीएमसी सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा में सीट रखने वाली कुछ और छोटी पार्टियां भी मौजूदा संसद सत्र में इंडिया ब्लॉक के साथ सहयोग करने में रुचि रखती हैं। कांग्रेस के बारे में कुछ मुद्दा है जिसे सुलझाना होगा। इंडिया ब्लॉक के बाहर की कुछ पार्टियों को राज्य से संबंधित मुद्दों के कारण अभी कांग्रेस से सीधे बात करने में संकोच है। इंडिया ब्लॉक टीएमसी और डीएमके जैसी किसी अन्य पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों को उनसे बात करने के लिए नामित कर सकता है। विपक्ष का उद्देश्य नये क्षेत्रों में अपना आधार बढ़ाना होना चाहिए, ताकि भाजपा से बेहतर तरीके से मुकाबला किया जा सके। लोकसभा चुनाव में मिली सीमित सफलताओं से विपक्ष के पास आराम करने का समय नहीं बचा है। राज्य विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इन चुनावों के नतीजे मोदी सरकार की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इस साल के अंत तक महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। इसके बाद 2025 में दिल्ली और बिहार में चुनाव होंगे। महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और बिहार में मजबूत विपक्षी गठबंधन होने के कारण चुनाव रणनीति पर काम करना होगा और चुनाव की तारीख से काफी पहले सीटों का बंटवारा पूरा करना होगा। चारों राज्यों में इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व वाली सरकारें चुनने की क्षमता है। दिल्ली में, विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन न होने पर भी आप पर भरोसा किया जा सकता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगी।

मेषः– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

बृषभः– शासन–सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढ.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढ.गी।

कर्कः– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी–पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढ.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस–पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः– सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः– अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढ.गी।

मीनः– पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

लोकसभा में विपक्ष के नये तेवर

2024 के लोकसभा चुनाव में महिला मतदाता निभायेंगी अहम भूमिकालोकसभा चुनाव में धन और बाहुबल पर अंकुश लगाना चुनौतीपूर्ण ध्वनिमत के आधार पर 18वीं लोकसभा में बुधवार को अध्यक्ष पद पर एक बार फिर से ओम बिरला विराजमान हो गये हैं। निर्वाचन की बजाये सहमति में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने जब रुचि नहीं दिखाई तो संयुक्त विपक्षी गठबन्धन इंडिया ने केरल के वरिष्ठ सांसद के. सुरेश से नामांकन तो भरवाया लेकिन बिरला की जीत को स्वीकार कर लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ नेता प्रतिपक्ष बने राहुल गांधी एवं संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने उन्हें ससम्मान अध्यक्ष पद की आसंदी पर ले जाकर बिठाया। इस घटनाक्रम एवं तत्सम्बन्धी प्रक्रिया के दौरान लोकसभा में विपक्ष का बदला हुआ अंदाज स्पष्ट दिखा। इसने बतला दिया कि आने वाले समय में मोदी एवं उनकी सरकार को न केवल एक मजबूत व एकजुट बल्कि बेहतर रणनीति बनाकर आये हुए विपक्ष के साथ भिड़ना होगा। 2014 एवं 2019 की भांति कमजोर प्रतिरोध कम से कम इस लोकसभा में मोदी–भाजपा के नसीब में नहीं होने जा रहा है। पहले सत्ता दल ने कोशिश की थी कि विपक्ष अपना उम्मीदवार खड़ा न करे। इसके लिये इंडिया के प्रतिनिधियों ने भाजपा व उसके नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस द्वारा अधिकृत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मंगलवार को मुलाकात कर प्रस्ताव रखा गया कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को मिलना चाहिये। इस पर राजनाथ सिंह ने कहा कि वे इसके बारे में वे हाईकमान से चर्चा कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को फोन करेंगे। वैसे उन्होंने यह भी आग्रह किया कि उपाध्यक्ष का मामला बाद में देखा जायेगा, पहले वे समर्थन घोषित करें। रात तक खरगे को इस बाबत कोई संदेश नहीं मिला तो के. सुरेश को उम्मीदवार बनाया गया। बुधवार सुबह तक भी राजनाथ सिंह ने कोई जवाब नहीं दिया तो साफ हो गया कि चुनाव होगा। निर्धारित समयानुसार सुबह 11 बजे ध्वनिमत से बिरला को प्रोटेम अध्यक्ष भर्तृहरि मेहताब ने घोषित किया। जब उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी तक लाया गया तो आदरपूर्वक मेहताब ने उन्हें पदभार सौंप दिया। यह तो पहले से तय था कि संख्या बल सत्ताधारी दल–गठबन्धन के साथ है फलतरू बिरला की जीत तय है। इसलिये विपक्ष ने इस पर मतदान की कोई जोरदार मांग न कर बिरला की जीत स्वीकार कर ली। जब मेहताब ने मतदान की मांग को अस्वीकार कर दिया तो विपक्ष ने भी ज्यादा दबाव नहीं डाला। कहा जा सकता है कि इसके साथ ही सत्ता दल ने एक बाधा पार कर ली परन्तु सम्भवतरू यह इंडिया की सोची–समझी चाल थी। प्रतीक स्वरूप प्रतिपक्ष ने अपना उम्मीदवार खड़ा किया, मतदान की हल्के स्वरों में मांग की और भाजपा–एनडीए के मुकाबले अपनी कम सदस्य संख्या को उजागर होने से बचा लिया। कहने को तो अभी इंडिया मजबूत है लेकिन सांसदों–विधायकों की खरीद–फरोख्त में माहिर भाजपा को कोई भी ऐसी चाल चलने का अवसर नहीं छोड़ा गया जिससे इंडिया की कमजोरी दिख जाये। उसे एक संदेश देना था कि वह सत्ता पक्ष के किसी भी फैसले को अब आंख मूंदकर समर्थन नहीं देने जा रही हैय और यह संदेश बहुत साफ शब्दों में चला गया। सम्भवतरू यही कारण था कि आज मोदी एवं उनके मंत्री पिछली दो लोकसभाओं के मुकाबले कहीं अधिक विनम्र व शांत नजर आ रहे थे। पीएम ने संसदीय परम्परा के अनुरूप बिरला से सम्मानपूर्वक हाथ मिलाया तथा श्कौन राहुल गांधी ?श पूछने वाले मोदी का राहुल गांधी के प्रति रवैया अपेक्षाकृत मृदु दिखा। दोनों एक साथ जिस प्रकार बिरला को आसंदी तक ले गये वह बतलाता है कि श्एक अकेला मोदी सब पर भारीश अब नहीं रहा। लोकसभा की बदली तासीर की झलक बाद में सदस्यों के भाषणों में भी दिखी जो बिरला के सम्मान में व्यक्त किये गये। पक्ष–विपक्ष दोनों ही तरफ के ज्यादातर सदस्यों ने संसदीय परम्परा व गरिमा को ख्याल में रखते हुए बिरला की प्रशंसा करते हुए उनसे निष्पक्ष रहने का भरोसा तो जताया, लेकिन अनेक विपक्षी सदस्यों ने दो बातों की ताकीद कर दी– एक तो यह कि अठारहवीं लोकसभा पहले जैसी नहीं है (उनका आशय विपक्ष की बढ़ी हुई ताकत से था), दूसरे, अनेक सदस्यों ने बिरला को ध्यान दिलाया कि अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने विपक्ष को बोलने का अवसर कम दिया।

संसद में आई नयी जान

सर्वमित्रा सुरजन

> दरअसल विपक्ष ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब वो सदन में संविधान के उसूलों से भटककर कार्य करने की मोहलत सरकार को नहीं देगा। शायद नरेन्द्र मोदी के परेशान दिखने की यही वजह हो। बहरहाल, 18वीं लोकसभा के संसद के इस विशेष सत्र को इसलिए भी बरसों-बरस याद रखा जाएगा, कि किस तरह सांसदों ने अलग-अलग अंदाज में शपथ ग्रहण की। संसद में इससे पहले कभी कोई सांसद साइकिल या बैलगाड़ी में पहुंचा या किसी ने पारंपरिक वेशभूषा धारण की, तो उसी की चर्चा हो जाया करती थी। लेकिन किस सांसद ने किस अंदाज में शपथ ली, इस पर शायद ही किसी का ध्यान गया हो। अब तक अमूमन सभी सांसद एक ही तरह से शपथ लेते आए हैं, बस भाषा या शैली का थोड़ा फेरबदल हो जाया करता था। इस बार संसद की यह परिपाटी भी बदल गई। नरेन्द्र मोदी को विपक्षी...

18वींलोकसभा के लिए हुए चुनाव, 4 जून को आए चुनाव परिणाम और फिर 24 जून से शुरू हुए संसद के विशेष सत्र में जिस तरह के नजारे देखने मिल रहे हैं, उन्हें देखकर कहा जा सकता है कि भारत के लोकतंत्र में नयी जान फूंक दी गई है और वो भी संविधान के मंत्र को पढ़कर। पाठक जानते हैं कि इन चुनावों में संयुक्त विपक्ष ने संविधान बचाने को मुख्य मुद्दा बनाया और भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद इस मुद्दे को नहीं छोड़ा। भाजपा के स्टार प्रचारक के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने मुस्लिम लीग, मंगलसूत्र, भैंस, नल की टोंटी, सावन में मटन और मछली जैसी सारी बातें कीं, लेकिन जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर बात नहीं की। जब उन्हें लगा कि संविधान के नाम पर विपक्ष जनता के बीच बढ़त बना रहा है तो उन्होंने जुबानी जमाखर्च की तरह कह दिया कि संविधान को खुद बाबा साहेब भी खत्म नहीं कर सकते। लेकिन न उनके, न किसी और भाजपा नेता के चुनाव प्रचार में संविधान को सर्वोपरि रखने का भाव नजर आया। नतीजा यह हुआ कि इस बार विपक्ष को बड़ी जीत हासिल हुई। जिस विपक्ष को पिछले 10 सालों में सदन में एकदम

उपेक्षित और काफी हद तक प्रताड़ित महसूस होता था, वह विपक्ष इस बार नयी उर्जा और ऊष्मा के साथ सदन में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। संविधान का मुद्दा जनता के बीच ले जाने का कितना सकारात्मक असर हुआ है, इस बात को विपक्ष भली–भांति समझता है, इसलिए संसद के पहले दिन इंडिया गठबंधन के सभी सांसदों के हाथों में संविधान की प्रति थी और सदन में प्रवेश के पहले संविधान दिखाकर विपक्ष ने उद्घोष कर दिया कि इस बार सत्ता का तानाशाही रवैया नहीं चलेगा, प्रधानमंत्री और उनकी सरकार को संविधान के अनुरूप ही कार्य करना पड़ेगा। नरेन्द्र मोदी को भी संविधान की इस ताकत का अहसास है, इसलिए इस बार जब उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए एनडीए की ओर से चुना जा रहा था तो इसके पहले उन्होंने संसद में रखी संविधान की प्रति को सिर माथे से लगाया। हालांकि जब 24 जून को श्री मोदी सांसद की शपथ ले रहे थे तो उसी दौरान राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे कई सांसदों ने पहली पंक्ति में बैठकर संविधान की प्रति उन्हें दिखाई और तब श्री मोदी थोड़े से विचलित नजर आए। दरअसल विपक्ष ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब वो सदन में संविधान के उसूलों से भटककर कार्य करने की मोहलत सरकार को नहीं देगा। शायद नरेन्द्र मोदी के परेशान दिखने की यही वजह हो। बहरहाल, 18वीं लोकसभा के संसद के इस विशेष सत्र को इसलिए भी बरसों–बरस याद रखा जाएगा, कि किस तरह सांसदों ने अलग–अलग अंदाज में शपथ ग्रहण की। संसद में इससे पहले कभी कोई सांसद साइकिल या बैलगाड़ी में पहुंचा या किसी ने पारंपरिक वेशभूषा धारण की, तो उसी की चर्चा हो जाया करती थी। लेकिन किस सांसद ने किस अंदाज में शपथ ली, इस पर शायद ही किसी का ध्यान गया हो। अब तक अमूमन सभी सांसद एक ही तरह से शपथ लेते आए हैं, बस भाषा या शैली का थोड़ा फेरबदल हो जाया करता था। इस बार संसद की यह परिपाटी भी बदल गई। नरेन्द्र मोदी को विपक्षी सांसदों ने उनके शपथग्रहण के दौरान संविधान की प्रति दिखाई, तो वहीं असम के धुबरी से रिकार्ड 10 लाख मतों से जीत हासिल करने वाले कांग्रेस सांसद रकीबुल हसन ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर शपथ ली। इसके बाद और भी सांसदों ने ऐसा ही किया। इसके साथ ही इस बार विभिन्न सांसदों ने शपथ लेने के बाद जो नारे लगाए, वो भी दिलचस्प रहे। इमरान मसूद ने शपथ लेने के बाद जय हिंद, जय भीम कहा, उनके बाद सपा के कई सांसदों ने ऐसा ही किया और समाजवाद जिंदाबाद, पीडीए जिंदाबाद कहा। फैजाबाद से जीते अवधेश पासी न केवल पहली बेंच पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव के साथ बैठे, बल्कि उन्होंने शपथ लेने के बाद समाजवाद, अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव सभी के लिए जिंदाबाद कहा। महुआ मोईत्रा जब शपथ लेने आई तो सदन में उनके समर्थन में नारे लगने लगे, जो विपक्ष की ओर से सरकार को इस बात का जवाब था कि पिछली लोकसभा में जिस तरह अडानी पर तीखे सवाल दागने वाली महुआ मोईत्रा की संसद सदस्यता छीन ली गई थी, वैसा अब नहीं हो पाएगा। जनता ने महुआ मोईत्रा को जिताकर भाजपा को गलत साबित कर दिया है। राहुल गांधी ने जब शपथ ली तो उस दौरान सदन में भारत जोड़ो के नारे लगते रहे। राहुल गांधी के हाथ में भी संविधान की लाल कवर वाली प्रति थी। वहीं अखिलेश यादव ने संविधान की नीले कवर वाली प्रति हाथ में रखी थी। जब सपा सांसद जितेंद्र दोहरे शपथ लेने गए तो उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव दोनों से उनकी संविधान की प्रतियां लीं। अमेठी से स्मृति ईरानी को हराकर कांग्रेस की जीत दर्ज कराने वाले सांसद किशोर लाल शर्मा जब शपथ लेने उठे तो सदन में खुशी का शोर साफ सुनाई दे रहा था। पहली बार सांसद चुने गए दलित नेता चंद्रशेखर आजाद बाबा साहेब की याद दिलाते हुए नीले रंग के बंद गले के सूट में शपथ लेने पहुंचे और इस दौरान उन्होंने डा.अंबेडकर की तस्वीर वाली संविधान की किताब हाथ में रखी थी। नमो बुद्धाय, जय भीम, जय भारत, जय संविधान, जय मंडल, भारतीय लोकतंत्र जिंदाबाद के नारों के साथ उन्होंने शपथ ली और सत्ता पक्ष की ओर से किसी ने उन्हें टोका कि अब क्या भाषण देंगे तो उन्होंने कहा बिल्कुल देंगे, इसलिए तो यहां आए हैं। भाजपा सांसद और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द प्रधान जब शपथ लेने उठे तो विपक्ष ने नीट–नीट का शोर किया। इधर पूर्णिया से निर्दलीय चुने गए सांसद पप्पू यादव का भी अलहदा अंदाज नजर आया। उन्होंने री नीट लिखी हुई टी शर्ट पहनी थी। संदेश बिल्कुल साफ था कि नीट परीक्षा में धांधली के कारण छात्रों के साथ जो नाइंसाफी हुई है, उसका जवाब सरकार को देना होगा और नीट की परीक्षा फिर से करवानी होगी। पप्पू यादव ने शपथ के बाद बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, सीमांचल जिंदाबाद और मानवता जिंदाबाद के साथ संविधान जिंदाबाद के नारे लगाए। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि मेहताब उन्हें जल्दी खत्म करने का आग्रह करते दिखे और इस दौरान सत्तापक्ष से संभवतरू किरण रिजिजू ने उन्हें टोका तो पप्पू यादव थोड़ा तमक कर बोल पड़े कि आप हमको सिखाइयेगा.. और आप कृपा पर जीते हैं। मैं अकेला लड़ता हूं। चैथी बार निर्दलीय चुना गया हूं तो मुझे न बताएं। एआईएमआईएम के मुखिया और सांसद असद्दुदीन ओवैसी ने संविधान के साथ–साथ फिलीस्तीन के लिए भी जिंदाबाद कहा, जिस पर अब चर्चा चल रही है कि ऐसा करना ठीक था या नहीं। टीएमसी सांसद युसूफ पठान ने गुजरात और बांग्ला की जयकार की, क्योंकि वे मूलतरू गुजरात से हैं और अब प.बंगाल से सांसद हैं। विपक्ष के कई सांसदों ने अपनी शपथ के बाद संविधान के साथ–साथ जय हिंद भी कहा। वहीं भाजपा के सांसदों में बरेली के छत्रपाल सिंह गंगवार ने जय हिंदू राष्ट्र के साथ अपनी शपथ को खत्म किया। गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी बाजपेयी और नरेन्द्र मोदी के जिंदाबाद के नारे लगाए और जब इस पर विपक्ष ने शोर किया तो पलट कर आए और फिर डा.हेडगेवार जिंदाबाद का नारा भी लगाया। भाजपा सहयोगी अपना दल की सांसद अनुप्रिया पटेल ने जब शपथ ग्रहण के दौरान विपक्ष की ओर से मचाए जा रहे शोर और शपथ लेने के बाद की जा रही नारेबाजी पर अध्यक्ष से शिकायत की तो सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव ने उन्हें कहा कि अब आप सुनने की आदत डाल लीजिए।

अब आधार की तर्ज पर बनेगा किसान कार्ड

किसान सम्मान निधि समेत अनेक योजनाओं के लाभ के लिए कार्ड जरूरी

लखनऊ (संवाददाता)। देश में आधार की तर्ज पर ही किसान कार्ड बनाया जाएगा। एक जुलाई से पूरे प्रदेश में किसान रजिस्ट्री की शुरूआत की जा रही है। इसमें किसान का आधार नंबर, खेत का रकबा, खसरा नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा। इसके बाद एक किसान नंबर जारी होगा। इस नंबर के जरिए संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूरा होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा। रजिस्ट्री से मिलने वाले नंबर के जरिये ही दिसंबर से पीएम किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। कृषि विभाग का दावा है कि पूरे प्रदेश में एक साथ किसान रजिस्ट्री शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य है केंद्र सरकार की ओर से एग्रीस्टैक कृषि के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा विकसित करने की योजना के तहत किसान रजिस्ट्री शुरू की जा रही है। केंद्र सरकार की ओर से तैयार कराए गए मोबाइल एप पर प्रदेश के हर किसान का पूरा विवरण दर्ज किया जायेगा।एक जुलाई से 31 जुलाई तक हर गांव में शिविर लगेंगे। इसमें दो कर्मचारी रहेंगे। ये गांव में रहकर संबंधित किसान का नाम, पिता का नाम, स्वामित्व वाले सभी गाटा संख्या, सह खातेदार होने की स्थिति में गाटे में किसान का अंश, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, ईकेवाईसी विवरण आदि दर्ज करेंगे। किसी प्रकार के स्वामित्व हस्तांतरण विरासत, बैनामा आदि होने पर किसान रजिस्ट्री में बदलाव किया जा सकेगा। इसमें किसान के हर गाटे में दो सत्र में बोई जाने वाली फसल का विवरण भी शामिल किया जाएगा।अभी किसान को किसी तरह का ऋण लेने के लिए बार-बार राजस्व रिकॉर्ड देना पड़ता है। किसान रजिस्ट्री होने से उनके नंबर को संबंधित एप पर डालकर उसका पूरा विवरण देखा जा सकेगा। इससे किसान कल्याण की योजनाएं बनाने और उसने क्रियान्वयन में आसानी होगी। लाभार्थियों के सत्यापन, कृषि उत्पाद के विपणन और अन्य वित्तीय मामलों में भी सहूलियत होगी।

बच्चों के लिए आज से खुलेंगे प्राइमरी स्कूल

लखनऊ (संवाददाता)। ग्रीष्मावकाश के बाद आज 28 जून से परिषदीय विद्यालय खुल जाएंगे।

इससे पहले 25 जून से शिक्षकों के लिए विद्यालय खुल गए हैं। विद्यालयों में शिक्षक पहुंच रहे हैं और साफ-सफाई करवा रहे हैं। शुक्रवार से विद्यालय खुलेंगे तो सफाई हो चुकी होगी। गर्मी को देखते हुए 28 और 29 जून को दो घंटे ही स्कूल संचालित होगा। उसके बाद एक जुलाई से नियमित कक्षाएं चलेगी। एक जुलाई से विद्यालय को उत्सव का रूप दिया जाएगा। विद्यालय को फूल, पत्तों, रंगोली, झंडियों और गुब्बारों से सजाया जाएगा।

संक्षिप्त सामाचार

लखनऊ जिला बैडमिंटन चैम्पियनषिप आज से प्रारम्भ

लखनऊ (संवाददाता)। जिला लखनऊ बैडमिंटन चैम्पियनषिप गोमती नगर स्थित बी0बी0डी0 उ0प्र0 बैडमिंटन अकादमी के बैडमिंटन हॉल मे 28 जून से प्रारम्भ होगी। जिसमे जिले के करीब 300/350 बालक-बालिका, पुरूष-महिला (वेटरन नही) हिस्सा ले रहे है, जिसके आधार पर जिला का चयन होगा, जो प्रदेष स्तर अखिल भारतीय स्तर पर भाग ले सकेगे। जिला बैडमिंटन संघ के सचिव अनिल ध्यानी जी के अनुसार इसे 11 वर्ष 13, 15, 17 व 19 वर्ष एवं पुरूष/महिला (वेटरन स्पर्धा नही) की एकल/युगल/मिश्रित युगल स्पर्धाए खेली जायेगी। इस प्रतियोगिता का प्रारम्भ प्रातः 09:30 पर होगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि डा0 सुधर्मा सिंह, (सचिव, उ0प्र0 बैडमिंटन संघ) व विषिष्ट अतिथि श्री अरूण कुमार कक्कड, (उपाध्यक्ष, उ0प्र0 बैडमिंटन संघ) एवं आलोक सरन (एड़वोकेट) के द्वारा किया जायेगा। पुरस्कार वितरण 30 जून को शाम 04:00 बजे विराज सागर दास (चैयरमेन-उ0प्र0 बैडमिंटन संघ) एवं डा0 नवनीत सहगल, पूर्व आई0ए0एस0, (अध्यक्ष-उ0प्र0 बैडमिंटन संघ, चैयरमेन प्रसार भारती, भारत सरकार) के द्वारा किया जायेगा।

दवा कारोबारी ने अधिवक्ताओं पर दर्ज कराया प्लाट कब्जाने का केस

लखनऊ थाना ठाकुरगंज के अर्न्तगत वकील रराज कुमार वर्मा ने अपने कुछ वकील साथियों के साथ दबंगई दिखाते हुये प्लाट पर कब्जे का प्रयास किया। साथ ही निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदार और कर्मचारियों के साथ मारपीट भी की। भीड़ को इक्कठा होते देख कर अधिवक्ता जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। मामला ठाकुरगंज की भूहर चैकी का है जिसमें ई-ब्लाक राजाजीपुरम् निवासी दवा कारोबारी संतोष कुमार सक्सेना के प्लाट पर वकीलों ने जबरन कब्जा करने का प्रयास किया तथा मारपीट की। पीड़ित संतोष ने मामले की जानकारी भूहर पुलिस चैकी में दी परन्तु कोई सुनवाई नहीं हुयी। उन्होनें घटना की शिकायत संयुक्त पुलिस आयुक्त से की। उन्होने सख्त रवैया अपनाते हुये मामले की जॉच करायी और मामला सही पाये जाने पर ठाकुरगंज पुलिस ने विभिन्न धाराओं में अधिवक्ता राज कुमार वर्मा सहित दस अन्य के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया और मामले की जॉच की जा रही है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ लोक निर्माण विभाग का द्विवार्षिक अधिवेशन आज

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ लोक निर्माण विभाग का द्विवार्षिक अधिवेशन, चुनाव दिनांक 28 जून 2024 को सम्पन्न होना सुनिश्चित हुआ है। निर्वाचन प्रक्रिया हेतु चुनाव अधिकारी श्री राम सुरेश प्रदेश अध्यक्ष टेक्निकल एसोसिएशन लोक निर्माण विभाग एवं सहायक चुनाव अधिकारी सुरेश सिंह यादव प्रदेश महामंत्री चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ उत्तर प्रदेश को नामित किया गया है। द्विवार्षिक अधिवेशन,चुनाव के लिए प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग व्यवस्थापन ह्यगह्ल वर्ग एवं ख वर्ग द्वारा विशेष अवकाश 28 एवं 29 जून 2024 स्वीकृत किया जा चुका है। द्विवार्षिक अधिवेशन,चुनाव में प्रदेश से निर्धारित प्रतिनिधि के अलावा विभागीय संगठन एवं प्रदेश के अन्य विभागों के संगठन के अध्यक्ष महामंत्री आमंत्रित किये गए है।

आरएनआई की आन लाइन वार्षिक विवरण की तिथि बढ़ी

लखनऊ (संवाददाता)। मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश त्रिवेदी के प्रयासों से आरएनआई ने आन लाइन वार्षिक विवरण भरने की तिथि एक माह बढ़ाकर अब 31 जुलाई 2024 कर दी है। इससे देश के सभी समाचार पत्र प्रकाशकों को राहत मिली है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश त्रिवेदी ने उप प्रेस पंजीयक श्री रजित चंद्रन से व्यक्तिगत वार्ता कर समाचार पत्र प्रकाशकों के हित की बात की थी, जिसका लाभ देश के संपूर्ण समाचार पत्र प्रकाशकों को हुआ है। लघु एवं मध्यम समाचार पत्र समिति के प्रदेश महामंत्री श्री धनराज महेश्वरी, उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के प्रदेश महामंत्री श्री रमेश शंकर पांडेय सहित कई संगठनों ने आरएनआई के उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दिनेश त्रिवेदी के प्रयासों की सराहना की है।

ग्रामीण से ग्रामीण व शहर से शहर क्षेत्र के विद्यालयों में होगा समायोजन

लखनऊ (संवाददाता)। बेसिक शिक्षा विभाग ने नए सत्र में जिले के अंदर शिक्षकों के समायोजन के विस्तृत दिशा- निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके तहत जहां शिक्षकों की संख्या ज्यादा है, वहां से कम संख्या वाले विद्यालयों में समायोजित किए जाएंगे। इसमें भी ग्रामीण से ग्रामीण और शहर से शहर क्षेत्र के विद्यालयों में ही समायोजन होगा। शिक्षक समायोजन के लिए अधिकतम 25 विद्यालयों का विकल्प दे सकेंगे। विशेष सचिव बेसिक शिक्षा अवधेश कुमार तिवारी के मुताबिक जिल के अदर समायोजन के लिए डीएम की अध्यक्षता वाली समिति होगी। इसमें उपाध्यक्ष सीडीओ, डायट प्राचार्य, वित्त व लेखाधिकारी बेसिक और बीएसए सदस्य होंगे। सत्र 2023- 24 में यू-डायस पोर्टल पर 31 मार्च को उपलब्ध छात्र संख्या के आधार पर आरटीई के नियमों के तहत विद्यालयों की आवश्यकतानसार शिक्षकों का समायोजन किया जाएगा। अधिक शिक्षक वाले विद्यालयों में शिक्षकों की जिले की नियुक्ति की तिथि के आधार पर कनिष्ठ शिक्षक को अधिक मानते हुए उन्हें चिह्नित किया जाएगा। एक ही विषय के दो शिक्षक होने पर कनिष्ठ शिक्षक को अधिक मानते हुए उनका समायोजन किया जाएगा। अधिक आवश्यकता वाले विद्यालयों में खाली पदों की सूची जारी होगी। ऑनलाइन आवेदन पत्रों का सत्यापन जिला स्तरीय समिति करेगी। बाकी प्रक्रिया एनआईसी के माध्यम से की जाएगी। समायोजन की समय सारिणी व अन्य निर्देश दिए गये हैं।

अपर आयुक्त राज्य कर का कर्मचारियों ने किया स्वागत

लखनऊ (संवाददाता)। अखिल भारतीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी सुरेश सिंह यादव ने कर्मचारियों के साथ अपर आयुक्त राज्य कर धनंजय कुमार शुक्ला आईएएस एवं अपर आयुक्त प्रशासन राजकर सुनील कुमार वर्मा का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। सुरेश सिंह यादव, वीरेंद्र कुमार शुक्ला, राम गोपाल गौतम ने धनंजय शुक्ला को गुलदस्ता भेंटकर नई जिम्मेदारी संभालने के लिए बधाई और शुभकामनाएं देते हुए स्वागत किया। श्री यादव ने कहा कि नए अपर आयुक्त के दिशा निर्देशन में विभाग का काम और बेहतर होगा।

पैमाइश में लापरवाही में नपेंगे आधा दर्जन एसडीएम

शासन की समीक्षा में संतोषजनक नहीं मिला कामकाज

लखनऊ (संवाददाता)। भूमि की पैमाइश में लापरवाही मिलने पर शासन ने आधा दर्जन उप जिलाधिकारियों यानि एसडीएम के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। ये एसडीएम आगरा, गाजीपुर, सुल्तानपुर की तहसीलों में तैनात हैं। सीएम योगी ने राजस्व संहिता की धारा-24 के तहत दायर होने वाले सीमांकन वादों पैमाइश के मामलों में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री राजस्व महकमें की व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के मूड में हैं लेकिन राजस्व विभाग खासकर तहसीलों के अहलकारों और अफसरों ने तो जैसे कार्यप्रणाली में तनिक भी बदलाव न करने की कसम खा रखी है।मुख्यमंत्री का जनता दर्शन कार्यक्रम हो या फिर डिप्टी सीएम के आवास पर हर सोमवार को होने वाला जनता दर्शन कार्यक्रम,सबसे ज्यादा भूमि सम्बंधी फरियाद लेकर पहुंचने वालों की तादाद ज्यादा होती है। लखनऊ से अफसरों को ताकीद किया जाता है कि लोगों को बेवजह दूर दराज के जनपदों और गांवों से लखनऊ की दौड़ न लगानी पड़े। जिलों में ही समस्या का निदान कर दिया जाये लेकिन अफसर अनदेखी अनसुनी से बाज नहीं आ रहे हैं।एसडीएम और तहसीलदार बदल जाते हैं लेकिन राजस्व विभाग के जिम्मेदार कर्मचारियों को जमीन की पैमाइश करने की फुर्सत नही मिलती।शासन की समीक्षा में सामने आया कि आगरा की फतेहाबाद, खैरगढ़ व बाह तहसील, गाजीपुर की सदर व सैदपुर और सुल्तानपुर की सदर तहसील में पैमाइश के मामलों का निस्तारण संतोषजनक नहीं है। पांच-पांच साल से मामले लटके हुए हैं।इसके बाद राजस्व विभाग ने फतेहाबाद के एसडीएम जेपी पांडेय, खैरगढ़ के अरुण कुमार यादव, बाह के रतन कुमार वर्मा, सैदपुर के पुष्पेंद्र पटेल और गाजीपुर सदर के एसडीएम चंद्रशेखर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सुल्तानपुर सदर में उस एसडीएम के खिलाफ कार्रवाई होगी, जिसके कार्यकाल में मामले नहीं निपटे। उस एसडीएम के नाम की जानकारी की जा रही है। यह मामले तो सामने आ गए हैं लेकिन और भी कई तहसीलों में लोग भटकते है,कोई सुनने को राजी नहीं।

उपचुनाव: मिल्कीपुर से अवधेश का बेटा और कटेहरी से लालजी की बेटी को सपा देगी टिकट!

बीजेपी और सपा की प्रतिष्ठा दांव पर

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी में विधानसभा की 10 सीटों के लिए उपचुनाव होने हैं।इसमें अयोध्या की मिल्कीपुर और अंबेडकरनगर जिले की कटेहरी विधानसभा सीट शामिल है। मिल्कीपुर के विधायक अवधेश प्रसाद अब फैजाबाद से सांसद हैं वहीं कटेहरी के एमएलए लालजी वर्मा अंबेडकनगर का संसद में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।इन दोनों सीटों पर समाजवादी पार्टी में नाम का मंथन शुरू है। संसद सत्र खत्म होने के बाद दिल्ली से लौटकर अखिलेश फाइनल मुहर लगा देंगे। मिल्कीपुर से अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत को और कटेहरी से लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा चुनाव मैदान में उतर सकती हैं। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से 2022 के विधानसभा चुनाव में 13 हजार वोटों से अवधेश प्रसाद ने जीता था। लोकसभा चुनाव में इस विधानसभा में सपा को 8000 वोटों से बढ़त मिली।कटेहरी विधानसभा सीट में लालजी वर्मा ने 2022 का विधानसभा चुनाव 7 हजार वोटों से जीता था लेकिन लोकसभा चुनाव में कटेहरी में उन्हें 17 हजार वोटों की बढ़त मिली थी।

'जनेश्वर मिश्र पार्क' को आधुनिक स्पोर्ट्स जोन बनाने तैयारी में योगी सरकार

- **उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर में पार्क के मेकओवर की प्रक्रिया शुरू**
- **सीएम योगी की मंशा अनुसार तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना को किया गया क्रियान्वित, स्पोर्ट्स एरीना बनेगा कायाकल्प का माध्यम**
- **लखनऊ विकास प्राधिकरण ने शुरू की प्रक्रिया, 10.16 करोड़ रुपए की लागत से परियोजना के अंतर्गत विकास कार्यों को किया जाएगा पूरा**
- **क्रिकेट, फुटबॉल व वॉलीबॉल ग्राउंड समेत टेनिस कोर्ट से लैस होगा पार्क का स्पोर्ट्स जोन, एजेंसी की नियुक्ति के माध्यम से विभिन्न विकास कार्यों को किया जाएगा पूरा**

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए कृत संकल्प योगी सरकार ने प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क के वृहद कायाकल्प की प्रक्रिया शुरू कर दी है। लखनऊ के गोमती नगर में स्थित इस पार्क में लंबे वक्त से एक स्पेशलाइज्ड स्पोर्ट्स एरीना होने की कमी यहां जाने वाले लोगों को महसूस होती थी। इस जरूरत को भांपते हुए योगी सरकार ने पार्क के कायाकल्प की एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की थी। सीएम योगी के विजन अनुसार बनी इस कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने स्पोर्ट्स जोन के विकास के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। कार्ययोजना के अनुसार, 10.16 करोड़ रुपए के व्यय से सभी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। खास बात ये है कि इन विकास कार्यों के जरिए जिन स्पोर्ट्स एमिनिटीज से पार्क को लैस किया जाएगा उनमें क्रिकेट, फुटबॉल व वॉलीबॉल ग्राउंड समेत टेनिस कोर्ट मुख्य है। इन सभी निर्माण कार्यों को पर्यावरण संरक्षण के मानकों व अन्य महत्वपूर्ण गाइडलाइंस का पालन करते हुए पूरा किया जाएगा तथा सभी निमार्णों की उच्च गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए भी एक मॉनिटरिंग मैकेनिज्म बनाया जाएगा। पार्क में स्पोर्ट्स जोने के विकास को लेकर होने वाले सभी कार्यों को पूरा करने के लिए एलडीए द्वारा टू बिड प्रक्रिया को क्रियान्वित किया गया है। इस प्रक्रिया के जरिए एक एजेंसी का चयन होगा और वह ही इन सभी कार्यों को पूर्ण करने के साथ ही एलडीए के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्यों की डेडलाइन, उच्च गुणवत्ता समेत सभी मानकों के पालन व क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करेगी। कार्यावंटन के उपरांत एजेंसी की कोशिश होगी कि सभी विकास कार्यों को 9 महीने की अवधि में पूरा कर लिया जाए। 168 करोड़ रुपए की लागत से लगभग 376 एकड़ में विकसित किया गया पार्क में लंबे वक्त से स्पोर्टिंग इवेंट्स के संचालन के लिए एक स्पोर्ट एरीना की कमी महसूस हो रही थी। अब इसी कमी को पूरा करते हुए योगी सरकार के विजन अनुसार वृहद स्पोर्ट्स जोन के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एलडीए द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के पूर्ण होने पर लखनऊ वासियों तथा देश-विदेश से पार्क घूमने आने वाले लोगों को विभिन्न स्पोर्टिंग इवेंट्स का हिस्सा बनने का मौका मिलेगा। विकास कार्यों की पूर्ति के जरिए यहां पर नियमित रूप से विभिन्न स्पोर्टिंग एक्टिविटीज के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। विकसित होने वाले सभी स्पोर्ट्स एमिनिटीज को आधुनिक स्प्रिंकलर्स, लाइटिंग व अन्य सुविधाओं से पूर्ण किया जाएगा।

मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली को बदनाम करने की साजिश होगी नाकाम: आफाक

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के अध्यक्ष मोहम्मद आफाक ने आरोप लगाया है कि मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली के खिलाफ जो शिकायतें पुलिस से की गई है और सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार किया जा रहा है वह न सिर्फ मौलाना बल्कि मुसलमानों के खिलाफ साजिश का एक हिस्सा है। यह सब हमारे धार्मिक स्थल हैं। वर्तमान में वहां शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के लिए मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली के प्रयास उल्लेखनीय हैं। मौलाना द्वारा वहां पर किए जा रहे कार्यों से बड़ी संख्या में गरीब व जरूरतमंद लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मौलाना ईदगाह और उससे जुड़ी तमाम चीजों की बहुत अच्छी तरह से देखभाल और हिफाजत कर रहे हैं। ऐसे में यह कहना कि ईदगाह में कोई गड़बड़ी चल रही है गलत है। इसके पीछे जिन साजिशों का हाथ है उसपर मोहम्मद आफाक लगातार नजर बनाए हुए हैं। आखिर में आफाक ने कहा की मेरा मानना है गलत ढंग से काम करने वाले भू माफियाओं को मौलाना की संरक्षण नहीं मिला होगा इसी लिए इस तरह की बयान बाजी हो रही है। जल्दी ही इन साजिशों का पदार्फाश किया जाएगा और उन्हें नाकाम बनाया जाएगा।

साबरमती रिवर फ्रंट जैसा मनोरम होगा कुकरैल रिवर फ्रंट

- **सीएम योगी की मंशा के अनुरूप कुकरैल नदी पर रिवर फ्रंट बनाने को लेकर तेज हुई तैयारियां**
- **रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए तैयार किया जा रहा डीपीआर, सीएम के समक्ष होगा प्रस्तुतिकरण**
- **लखनऊ नगर निगम ने एसपीवी के गठन से संबंधित ड्राफ्ट शासन को उपलब्ध कराया**
- **अहमदाबाद के साबरमती रिवर फ्रंट के अध्ययन को बनी समिति कर चुकी है स्थलीय निरीक्षण**

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में कुकरैल नदी के किनारे प्रस्तावित रिवर फ्रंट अहमदाबाद में स्थित साबरमती रिवर फ्रंट जैसा मनोरम और आधुनिक सुविधाओं वाला हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कुकरैल नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयासों के क्रम में साबरमती रिवर फ्रंट, अहमदाबाद के अध्ययन के लिए गठित समिति द्वारा पिछले वर्ष ही इसका स्थलीय निरीक्षण एवं भ्रमण कर लिया गया है। रिवर फ्रंट बनाने की कार्यवाही लखनऊ नगर निगम के तहत पूर्ण की जाएगी। इसके लिए नगर निगम द्वारा एसपीवी के गठन से संबंधित ड्राफ्ट शासन को उपलब्ध कराया गया है, जो कि लखनऊ रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि. के नाम से होगा।

जल्द तैयार होगा डीपीआर

कुकरैल नदी के किनारे रिवर फ्रंट डेवलपमेंट के लिए संबंधित कंसल्टैंट द्वारा डीपीआर तैयार किए जाने की कार्यवाही की जा रही है तथा जल्द ही सीएम के समक्ष इसका प्रस्तुतिकरण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार के विजन के अनुरूप कुकरैल नदी को पुनर्जीवित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही सीएम योगी के निर्देश पर विभागों को कुकरैल नदी को अविरल, निर्मल और प्रदूषणमुक्त किए जाने के मिशन पर लगाया गया है। इसका उद्देश्य गंदे नालों को कुकरैल में प्रवाहित होने से रोकना, नदी तट का सौन्दर्यीकरण, साइट डेवलपमेंट और ग्रीन बेल्ट विकसित करना है।

नदी में नहीं जा सकेगा नालों का पानी

मुख्यमंत्री द्वारा कुकरैल नदी को प्रदूषण मुक्त और पुनर्जीवित करने के लिए नदी में गिरने वाले 39 नालों को इंटरसेप्ट करने के निर्देश दिए गए थे। इस क्रम में प्रथम चरण में 17 नालों को टेप करने का कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। वहीं 12 नालों का आईडी कार्य क्रियाशील है और शेष इस महीने तक पूरा हो जाएगा। द्वितीय चरण में 22 नालों को टैपिंग कर 6 एमएलडी अशोधित सीवेज को कुकरैल नदी में गिरने से रोका जाएगा। वहीं तृतीय चरण में न्यूनतम जल प्रवाह बनाए रखने के लिए 40 एमएलटी क्षमता का एसटीपी बनाकर शोधित ट्रीटेड एफ्लुएंट को कुकरैल नदी में अपस्ट्रीम में छोड़ा जाएगा। अकबरनगर में नगर निगम की जमीन पर अवैध निर्माण ध्वस्त करने के बाद 1.50 हेक्टेयर भूमि पर एसटीपी का कार्य किया जाएगा।

जल स्रोतों को किया जाएगा पुनर्जीवित

कुकरैल नदी में पानी की अविरल आपूर्ति के लिए वन क्षेत्र में कुकरैल नदी के जल स्रोतों और जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए वॉटरपॉन्ड बनाए जाएंगे। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में जल स्रोतों और जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए ग्रामीण विकास विभाग और लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा 40 एमएलडी एसटीपी से पानी नदी में छोड़ा जाना प्रस्तावित है। वहीं सिंचाई विभाग द्वारा शारदा नगर के एस्केप चैनल से लगभग 5 से 15 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

कचरे के ढेर से पटी राजापुर मंडी समिति

लखनऊ (संवाददाता)। राजापुर मंडी समिति में गल्ला मंडी और फल सब्जी मंडी कचरे के ढेर पर बसी है।बरसात के मौसम में जहां चंदन कुमार पटेल उप निदेशक विपरण,प्रशासन मंडी परिषद ने सचिव को बरसात से पहले सफाई के दिशा निर्देश दिए लेकिन राजापुर मंडी में सफाई व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।फल सब्जी मंडी के गेट की नालियां कूड़े से लबालब भरी हुई हैं। कूड़े के ढेर से मंडी में बेहद गंदगी है। किसानों और व्यापारियों का मंडी में व्यापार करना दूभर है। कूड़ा प्रतिदिन मंडी से बाहर नहीं भेजा जाता है। यही हाल गल्ला मंडी का है गल्ला मंडी में व्यापारी पवन गुप्ता की दुकान के पीछे और ट्रांसफॉर के पास कूड़े के अंबार लगे हैं। चंदन कुमार पटेल ने दो सप्ताह पहले ही निर्देश दिए कि जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित कर कूड़े को मंडी में जमा न करें, प्रतिदिन सड़क मार्ग, मंडी परिसर की चारदीवारी के मध्य, कार्यालय भवन के पीछे, किसान विश्राम गृह के पूछे, कैंटीन नीलामी चबूरों, पेय जल शौचालय, यूरिनर को प्रतिदिन साफ करने तथा इसके अलावा दुकानों के पीछे कूड़ा हटाने के भी निर्देश दिए। उपनिदेशक ने इसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी सचिव को दी लेकिन मंडी में निदेशों का पालन नहीं हो पा रहा है। मंडी कूड़े के ढेर में बदल गई है। नई जिला अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल से लोगों को उम्मीद हैं कि शायद अब कुछ अच्छा हो जाये।

कर्मचारियों और शिक्षकों के साथ सरकार की सहानुभूति सराहनीय

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में जो 28 मार्च 2005 तक के जो कर्मचारी और शिक्षक सेवायोजन के तहत आ चुके थे उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार ने भी मान लिया है। यह एक वर्ष पहले केंद्र सरकार ने संगठनों की मांग तथा उच्च न्यायालय तथा सर्वोच्च न्यायालय तक चल रहे वादों में निर्णय के बाद किया था। केंद्र में हो जाने के बाद 1 वर्ष से उत्तर प्रदेश के भी संगठन मांग कर रहे थे।अब इसे उत्तर प्रदेश सरकार ने भी कर्मचारी और शिक्षकों पर लागू कर दिया है ,इससे लगभग 50000 कर्मचारी और शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा। राज्य कर्मचारी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरि किशोर तिवारी ने कहा कि परिषद सरकार के इस कदम का स्वागत करती है। कर्मचारियों और शिक्षकों के साथ सरकार की सहानुभूति सराहनीय है।परिषद इसे इस रूप में लेती है कि पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली की ओर एक खिड़की को खोला गया है। उनसे ऑप्शन मांगा गया है । चाहते हैं कि प्रदेश के सभी कर्मचारी शिक्षकों से ऑप्शन ले लिया जाएं और यदि 99 फीसदी आ जाता है तो पुरानी पेंशन की व्यवस्था बहाल कर दी जाय।

गर्मियों में पौधों को हरा-भरा बनाए रखने के लिए अपनाएं ये आसान टिप्स

गर्मियों में अगर एक वक्त भी पौधों में पानी देना भूल जाएं, तो पौधे मुरझा जाते हैं। तेज धूप की वजह से उनकी पत्तियां झुलस जाती हैं और सूखने लगती हैं। साथ ही, गर्मी ज्यादा होने के कारण उनकी मिट्टी का पानी भी जल्दी सूख जाता है। इसलिए जरूरी है कि इस मौसम में पौधों को हरा रखने के लिए उनकी खास देखभाल की जाए। आइए जानें गर्मियों में पौधों को हरा-भरा बनाए रखने के लिए कुछ खास टिप्स।

पौधों को सुबह के समय पानी दें

सूर्य की किरणों के तेज होने से पहले अपने पौधों को पानी दें। तेज धूप या दोपहर के समय पौधों में पानी देने से बचें। इससे पौधों के सूखने का डर रहता है।

पौधों को तेज धूप से बचाएं

गर्मियों में तेज धूप में रखे गमलों को छाया में रखें, नहीं तो आपके पौधे सूख जाएंगे। इसके अलावा, आप इन्हें छाया देने के लिए इनके ऊपर प्लास्टिक या कपड़े से छाया कर सकते हैं।

गार्डन में अत्यधिक पानी देने से बचें

गर्मियों के दिनों में, गमलों में लगे पौधों को जरूरत से ज्यादा

पानी नहीं देना चाहिए। इसका कारण है सूर्य की तेज रोशनी में पानी वाले पौधे पर वाष्पोत्सर्जन होने का डर रहता है, जिससे पत्तियां मुरझा जाती हैं।

निराई जरूर करें

रोज अपने बगीचे की निराई जरूर करें, जिससे मिट्टी, संपूर्ण पानी और जरूरी आवश्यक तत्वों को अवशोषित कर सके।

गार्डन में पानी का जमाव न होने दें

बगीचे में पानी के जमाव को खत्म करें। इससे डेंगू मलेरिया जैसी बीमारियों के मच्छरों के पनपने का डर खत्म हो जाता है।

मृत शाखाओं को काटें

पौधों से उनकी सूखी और मृत शाखाओं को काटकर बाहर निकालना पौधों को फिर से जीवन देने जैसा होगा। इससे पौधों का विकास होगा।

गर्मियों में पौधों में खाद न डालें

गर्मियों में खाद डालने से पौधे का विकास रुक सकता है और ये मुरझा भी सकते हैं। इसलिए मौसम के ठंडा होने पर ही पौधों में खाद डालें।

इनका चीजों का इस्तेमाल करें

पधों को सूर्य की यूवी किरणों से बचाने के लिए इनके आस-पास घांस को गीली रखें। इसके अलावा, आप सूखे हुए नारियल के छिलकों, सूखी पत्तियां और पुआल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे मिट्टी का तापमान नियंत्रण में रहता है और पौधे सूखते नहीं हैं।

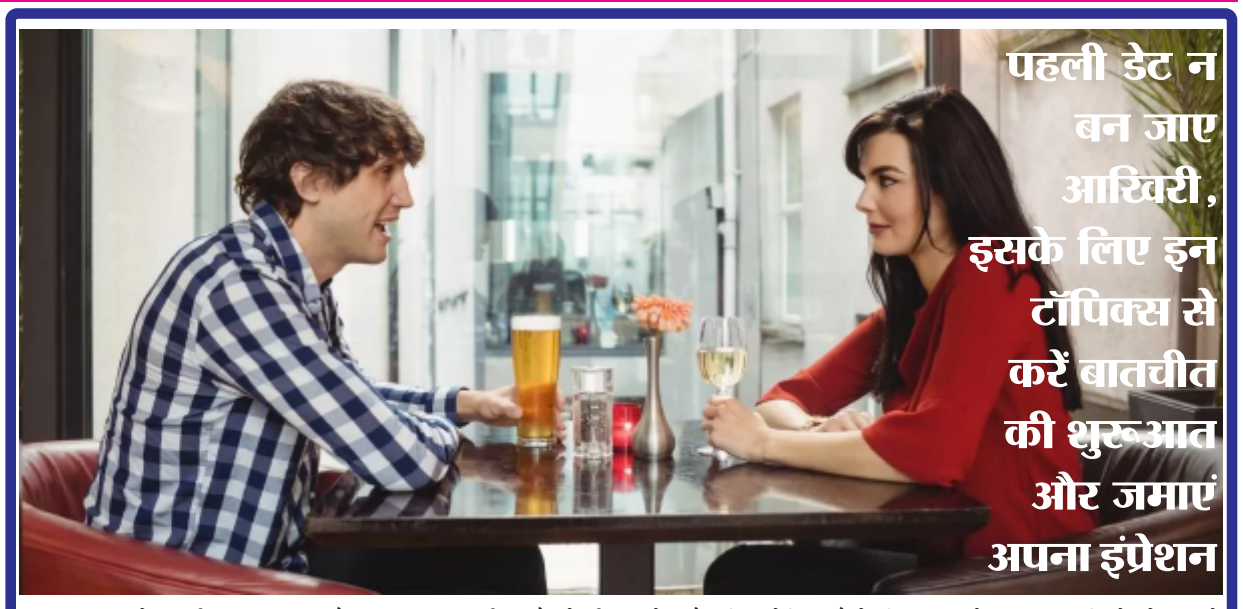

आज उनसे पहली मुलाकात होगी, फिर आमने-सामने बात होगी...फिर होगा क्या, क्या पता क्या खबर.....पहली डेटिंग को लेकर सबसे पहले यही गाना दिमाग में आता है। किसी अंजान शख्स से पहली बार मुलाकात को लेकर जहां बहुत ज्यादा एक्साइटमेंट होती है, तो वहीं थोड़ी- बहुत नर्वसनेस भी। क्या पहनकर जाएं, कैसी जगह मिलने के लिए चुनें? इन चीजों को लेकर बहुत ज्यादा कनफ्यूजन रहती है, लेकिन उससे भी बड़ी घबराहट ये सोचकर होती रहती है कि मिलने पर सामने वाले से बातचीत क्या करेंगे। अगर आप बहुत ज्यादा हैं तो भी मामला बिगड़ सकता है और अगर ए७३१ङ्क५ी१३ हैं, तो भी बेड़ा गर्क हो सकता है।

आज हम ऐसे कुछ टॉपिक्स के बारे में बात करने वाले हैं, जिनसे आप किसी से भी बातचीत की शुरूआत कर सकते हैं और अपने सामने वाले पर अपना इंप्रेशन जमा सकते हैं। ये ऐसे कॉमन टॉपिक्स हैं, जिससे सामने वाला भी आपकी बातों में इंगेज रहेगा।

कॉम्प्लीमेंट से करें शुरूआत

कॉम्प्लीमेंट से करें बातचीत की शुरूआत। इससे न सिर्फ सामने वाला खुश हो जाएगा, बल्कि आपकी पारखी नजरों की भी तारीफ करेगा। उनके आउटफिट, एक्सेसरीज या स्टाइलिंग की तारीफ करें और फिर देखिए कैसे बिना एफर्ट के बातचीत चलती जाएगी।

हॉबी के बारे में पूछें

बातों में इंगेज रखने के लिए उनसे उनकी हॉबी के बारे में पूछें। हर किसी की कोई न कोई हॉबी होती है, जिसके बारे में उसे बातचीत करना पसंद होता है, तो पहले उनसे उनकी हॉबी के बारे में जान लें फिर अपनी बताएं।

एक्सपीरियंस शेयर करें

लाइफ के फनी, मजेदार एक्सपीरियंसेज पर बात करें। इसमें भी पूरे चांसेज हैं कि आप दोनों बोर नहीं होंगे। हर किसी के पास ऐसे कोई न कोई गुदगुदाने वाले मोमेंट्स होते हैं और अगर नहीं हैं, तो आप अपने ही मजेदार किस्से सुनाकर उन्हें हंसाएं। लड़कियों को लड़कों का सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत अट्रैक्ट करता है।

खानपान को लेकर बात

खानपान पर बात करने के लिए आपका फूडी होना जरूरी नहीं। डेट के लिए आपने जिस जगह को चुना है, वहां की फेवरेट डिश के बारे में थोड़ी-बहुत बात कर सकते हैं। दूसरा सामने वाले से उनके फेवरेट फूड या ईटिंग हैबिट्स के बारे में जानने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन हां इस दौरान ध्यान रखें कि ये बातचीत नॉर्मल हो। किसी के खानपान को लेकर कमेंट बिल्कुल न करें, वरना अगली मीटिंग का चांस खत्म हो जाएगा।

दुनिया में बहुत कम ही लोग होंगे, जिन्हें मीठा बिल्कुल ही पसंद न हो। मीठा खाना अक्सर लोगों को पसंद होता है। लेकिन यदि आप इस समय वजन कम कर रहे हैं या फिर करना चाहते हैं, तो इस दौरान मीठा खाना आपके Weight Loss के सफर में बाधा डाल सकता है। लेकिन हम कुछ ऐसी स्वीट्स के बारे में आपको बता रहे हैं, जिन्हें खाकर आपका बिल्कुल भी वजन नहीं बढ़ेगा। इन स्वीट्स में बहुत कम कैलोरी, हाई फाइबर और अन्य कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिन्हें खाकर आप आसानी से अपना वेट लॉस कर सकते हैं। तो आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ मिठाइयों के बारे में।

मखाना खीर

इसे बनाने के लिए कम वसा वाले एक लीटर दूध को उबालें, आधा रहने पर इसमें भुना हुआ मखाना और हरी इलायची पाउडर को डालें। मीठे के लिए शहद का उपयोग करें। हाई फाइबर और कम कैलोरी वाली मखाना खीर तैयार है।

रागी हलवा

हाई फाइबर से भरपूर रागी के आटे का हलवा बनाने के लिए कम घी में आटे को भूनकर इससे हलवा बनाएं और इसमें कटे हुए ड्राई फ्रूट्स और इलायची पाउडर डालें। चीनी की जगह गुड़ का उपयोग करें।

चिक्की

चिक्की सबसे अधिक फाइबर और पोषक तत्वों से भरपूर एक हेल्दी स्नैक्स है। इसे तिल, मूंगफली, ड्राई फ्रूट्स, कुछ सीड्स और गुड़ के साथ बनाया जाता है।

बाजरे का लड्डू

बाजरे के आटे से तैयार होने वाला बाजरे का लड्डू वेट लॉस की जर्नी को आसान बनाते हुए आपके मीठे की क्रेविंग को मिटाता है। इसे मोती बाजरा, ड्राई फ्रूट्स, रागी, जई, और कुछ सीड्स को मिलाकर तैयार किया जाता है।

सेब और बेरी की खीर

पोषण से भरपूर इस खीर को बनाने के लिए कम फैट वाले दूध में कद्दूकस किए हुए सेब और ताजी बैरीज को मिलाकर तैयार किया जाता है।

मूंग दाल का हलवा

कम घी में मूंग दाल, कुछ कटे हुए ड्राई फ्रूट्स और चीनी की जगह खजूर का पेस्ट मिलाकर तैयार किया जाता है।

ओट्स लड्डू

इसे ओट्स को नट्स और सीड्स के साथ सूखा भूनकर, मीठे के लिए खजूर और थोड़ा-सा गुड़ मिलाकर तैयार किया जाता है।

मानसून सीजन में अटेंड करने वाली हैं कोई शादी या फंक्शन, तो इन कलर्स से बटोरें हर किसी की अटेंशन

बारिश का मौसम अपने साथ उमंग और ताजगी लेकर आता है, लेकिन इस मौसम में अपने स्टाइल को बरकरार रखना एक चुनौती हो सकता है। खासकर जब बात एथनिक वेयर्स की हो। इस मौसम में सही रंगों का चुनाव न सिर्फ हमें फैशनेबल दिखा सकता है बल्कि हमारे मूड को भी बेहतर बना सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ रंगों के बारे में, जो मानसून के लिए हैं परफेक्ट च्वॉइस।

1. पीला

पीला रंग खुशी और ऊर्जा का प्रतीक है। यह रंग बारिश के दिनों में मूड को हैप्पी और पॉजिटिव रखता है। शादी-ब्याह या किसी फेस्टिवल में पीले रंग की कुर्ती, साड़ी या अनारकली सूट पहन सकती हैं। जो आपको भीड़ से अलग और आकर्षक बनाएगा।

2. नारंगी

नारंगी रंग भी मानसून के लिए बहुत ही बढ़िया ऑप्शन है। यह रंग उत्साह और उमंग का प्रतीक है। आप नारंगी रंग की एथनिक ड्रेसेज को किसी भी मौके पर पहन सकती हैं, यह रंग खूबसूरती के साथ कॉन्फिडेंस को भी बढ़ाता है।

3. हरा

हरा रंग प्रकृति का प्रतीक है और मानसून के लिए बेस्ट कलर है। यह रंग न केवल आंखों को सुकून देता है बल्कि आपको ताजगी का भी एहसास कराता है। हरे रंग की सिल्क या कॉटन की साड़ी, कुर्ती या लहंगा आपकी सुंदरता को निखार सकता है।

4. नीला

नीला रंग बारिश के दिनों में बेहद सुकून भरा लगता है। यह रंग शांति और स्थिरता का प्रतीक है। आप साड़ी, सूट और कुर्ती में इस रंग को ट्राई कर सकती हैं। डार्क ब्लू कलर की ड्रेस आपको क्लासी एंड एलीगेंट लुक देगी।

5. गुलाबी

गुलाबी रंग हमेशा से ही कोमलता का प्रतीक रहा है। यह रंग बारिश के मौसम में फ्रेशनेस के साथ आपको खुशमिजाज रखता है। लाइट हो या डार्क पिंक का हर एक शेड बेहद खूबसूरत होता है।

6. सफेद

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतीक है। मानसून के मौसम में सफेद रंग की कुर्तियां, साड़ियां या अनारकली सूट पहनकर आप हर किसी की अटेंशन पा सकती हैं। यह रंग गर्मी से राहत दिलाने के साथ-साथ आपको क्लासी लुक भी देता है। हालांकि, मानसून में इस रंग को पहनना थोड़ा रिस्की होता है, क्योंकि यह जल्दी गंदा हो जाता है, तो इसे संभालकर पहनें।

7. लाल

लाल रंग हमेशा से ही शक्ति और ऊर्जा का प्रतीक रहा है। मानसून में इस रंग की एथनिक वेयर पहनना आपको एनर्जेटिक रखेगा। साथ ही सबसे सेफ एंड बेस्ट कलर है। लाल रंग की साड़ी, सूट या कुर्तियां हर एक मौके पर आपकी सुंदरता में चार चांद लगा सकते हैं।

8. बैंगनी

बैंगनी रॉयल एंड अट्रैक्टिव कलर है। ये रंग एथनिक से लेकर वेस्टर्न हर तरह के आउटफिट्स में बेहद जंचता है। बैंगनी कलर की एथनिक ड्रेस में आप भीड़ से एकदम अलग नजर आएंगी।

खूबसूरत और निखरी त्वचा की रखते हैं चाह

तो अपनी स्किन केयर रूटीन में करें ये सुधार

हर कोई चाहता है कि वह खूबसूरत दिखे। लेकिन इसके लिए सिर्फ दिन में अपनाए गए स्किन केयर रूटीन को फॉलो करना ही काफी नहीं है। रात को सोते समय भी आपकी स्किन को कुछ पोषण की जरूरत होती है, जिसके लिए आपको कुछ नियमों को जरूर अपनाना चाहिए। इन नियमों से आप अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाए रख सकती हैं। तो आइए जानते हैं आपको रात में सोने से पहले किस तरह के स्किन केयर रूटीन को फॉलो करना बेहतर होगा

मेकअप साफ करना न भूलें

कुछ लोगों को मेकअप लगाना पसंद होता है या उनके काम के लिए जरूरी होता है। लेकिन मेकअप लगाकर सोने से स्किन पोर्स ब्लॉक हो सकते हैं जिनसे एक्ने और पिंपल्स जैसी समस्याएं पैदा होने लगती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप सोने से पहले अपने चेहरे से मिसेलर वॉटर या क्लेंजिंग ऑयल की मदद से अपना पूरा मेकअप साफ करें।

चेहरे को क्लींजर से साफ करें

मेकअप हटाने के बाद चेहरे पर किसी भी क्लींजर से 2- 3 मिनट मसाज करें और फिर नॉर्मल पानी से वाश कर लें।

चेहरे पर टोनर लगाएं

फेस क्लींजर से साफ करने के बाद कॉटन बॉल की से हल्के हाथों से दबा दबाकर चेहरे के पानी को सुखाएं।

40 के बाद पुरुषों में बढ़ जाता है कैंसर का खतरा

लैंसेट की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी से ज्यादा आबादी है फिजिकली अनफिट

कैंसर एक जानलेवा बीमारी है, जिसके कारण हर साल कई लोग अपनी जान गंवाते हैं। एक स्टडी के मुताबिक, भारत में कैंसर के मामले युवाओं में तेजी से बढ़ रहे है। उम्र बढ़ने के साथ भी कैंसर का ख तरा बढ़ जाता है। ऐसे में पुरुषों में 40 की उम्र के बाद कुछ प्रकार के कैंसर का जोखिम काफी बढ़ जाता है। इनमें प्रोस्टेट कैंसर, लंग्स कैंसर, कोलोरेक्टल कैंसर, ब्लैडर कैंसर और मेलानोमा जैसे कैंसर काफी आम हैं। कैंसर के ये प्रकार पुरुषों को सबसे अधिक अपनी चपेट में लेते हैं। इसलिए कैसे इनका रिस्क कम किया जा सकता है, इस बारे में जानने के लिए हमने एंड्रोमेडा कैंसर हॉस्पिटल सोनीपत में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के चेयरमैन डॉ. दिनेश सिंह से बात की। आइए जानें कि इस बारे में उन्होंने क्या बताया।

पुरुषों को होने वाले आम कैंसर

डॉ. सिंह ने बताया कि पुरुषों में होने वाले कैंसर में लंग कैंसर काफी आम है। इसकी वजह से हर साल कई लोग अपनी जान गंवाते हैं। इसके पीछे की सबसे

मुख्य वजह है धूम्रपान यानी स्मोकिंग। ऐसा बिल्कुल जरूरी नहीं है कि जो लोग स्मोकिंग करते हैं, सिर्फ उन्हें लंग कैंसर का खतरा रहता है, बल्कि जो स्मोक करने वाले लोगों के साथ उठते-बैठते हैं उन्हें भी पैसिव स्मोकिंग की वजह से लंग कैंसर हो सकता है। साथ ही, डॉ. सिंह ने यह भी कहा कि जिन लोगों में लंग कैंसर का अधिक रिस्क रहता है, उन्हें कम डोज वाला सीटी स्कैन कराना चाहिए।

पुरुषों में होने वाले प्रमुख कैंसर में प्रोस्टेट कैंसर भी शामिल है। 50 साल से अधिक उम्र के पुरुषों में इसका खतरा ज्यादा रहता है। इस कैंसर की सबसे खतरनाक बात यह है कि इसका शुरूआती स्टेज पर पता लगाना काफी मुश्किल होता है। यह काफी धीरे-धीरे पनपता है और शुरूआती स्टेज में सिर्फ प्रोस्टेट ग्लैंड तक ही सीमित रहता है। इसलिए इसका पता लगाने के लिए पीएसए ब्लड टेस्ट और डिजिटल रेक्टल एग्जाम करवाना काफी जरूरी है।

प्रोस्टेट कैंसर के साथ-साथ कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा भी 50 साल से अधिक उम्र के पुरुषों में काफी देखने को मिलता है। इसलिए इसका वक्त रहते पता लगाने के लिए नियमित कोलोनोस्कोपी करवाना जरूरी है।

पुरुषों में 40 की उम्र के बाद ब्लैडर कैंसर भी काफी आम हो जाता है। इसका पता बेहद आसानी से यूरिन टेस्ट के जरिए भी लगाया जा सकता है।

मेलानोमा एक प्रकार का स्किन कैंसर है, जो धूप की हानिकारक किरणों की वजह से होता है। इसका पता लगाने के लिए अपनी स्किन और तिल आदि की नियमित जांच करते रहें और अगर कोई तिल या मस्सा रंग बदलता हुआ या आकार बदलता नजर आए, तो तुरंत उसकी जांच कराएं।

कैसे करें बचाव?

कैंसर के जोखिम को कम करने के बारे में डॉ. सिंह ने बताया कि जिन पुरुषों की आयु 40 वर्ष से अधिक हो चुकी है, उन्हें ऊपर बताए गए कैंसर के प्रति ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत होती है। इसके जोखिम को कम करने के लिए जरूरी है कि हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं और रेगुलर चेकअप करवाया जाए। साथ ही, इनके लक्षणों को समझकर जाए और इसका जल्द से जल्द पता लगाकर जान बचाई जा सकती है।

कैंसर का रिस्क कम करने के लिए हेल्दी डाइट अपनाना जरूरी है, जिसमें फल, सब्जियां, साबुत अनाज और लीन प्रोटीन शामिल हो। इसके अलावा, नियमित एक्सरसाइज करना जरूरी है, ताकि आपकी वजन नियंत्रित रहे। इससे भी कैंसर का जोखिम कम होता है। साथ ही, स्मोकिंग न करें। स्मोकिंग से लंग कैंसर के साथ-साथ कई अन्य कैंसर का खतरा भी बढ़ता है। इसलिए स्मोकिंग न करें।

इसके अलावा, शराब का सेवन भी बंद कर दें। स्किन कैंसर के खतरे को कम करने के लिए बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें और धूप में ज्यादा समय न बिताएं। इसके आगे डॉ. सिंह ने बताया कि कैंसर से लड़ने के लिए उसका जल्द से जल्द पता लगाना बेहद जरूरी है। इसलिए नियमित रूप से डॉक्टर मिलकर चेकअप करवाना जरूरी है।

लैंसेट की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आधी से ज्यादा आबादी है फिजिकली अनफिट

फिजिकल एक्टिविटी को लेकर भारतीय लोग काफी आलसी है, ऐसा हम नहीं, बल्कि लैंसेट की रिपोर्ट का दावा है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2000 से 2022 के दौरान लगभग 197 देशों पर यह स्टडी की गई थी। 2022 में जहां 38.4% पुरुष, तो वहीं 52.6% महिलाएं फिजिकली इनएक्टिव थीं। ये चौंकाने वाली रिपोर्ट है। शारीरिक गतिविधि न के बराबर होना कई गंभीर बीमारियों को दावत देना है।

फिजिकली इनएक्टिव की परिभाषा

हलड के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति पूरे हफ्ते 150 मिनट से भी कम और कोई टीनएजर 60 मिनट से कम फिजिकल एक्टिविटी करता है, तो इसका मतलब वो फिजिकल इनएक्टिव है। हलड के मुताबिक, वयस्कों को हफ्ते में कम से कम 150 से 300 मिनट की एक्टिविटी जरूर करनी चाहिए। अगर आप बॉडी को हेल्दी बनाए रखने के लिए किसी भी तरह की कोई एक्सरसाइज नहीं करते, तो इससे मोटापा, डायबिटीज, दिल की बीमारियों, कैंसर, स्ट्रोक, डिप्रेशन जैसी कई गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ा जाता है।

क्या कहती है रिपोर्ट

हलड के निदेर्शानुसार फिजिकली एक्टिविटी न करने वालों में भारत 195 देशों की लिस्ट में 12वें नंबर पर है। सबसे ज्यादा फिजिकली इनएक्टिव लोग एशिया-प्रशांत रीजन और दक्षिण एशिया में हैं। इसके लिए पर्यावरण, नींद की कमी, काम के पैटर्न जैसी कई चीजों को जिम्मेदार बताया गया है।

इनएक्टिव लाइफस्टाइल के पीछे की वजहें

वर्किंग प्रोफेशनल्स काम के लंबे घंटे और ट्रैवलिंग के वजह से फिटनेस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते।

शहर में लगातार होते डेवलपमेंट के चलते घर छोटे होते जा रहे हैं और आसपास भी इतनी जगह ही नहीं, जहां एक्सरसाइज की जा सके।

लोगों को मोबाइल, टीवी की ऐसी लत लग चुकी है कि वो इसके आगे फिटनेस को इग्नोर कर देते हैं।

अर्जुन कपूर ने तोड़ा मलाइका अरोड़ा का भरोसा?

जिम में रानी चटर्जी ने क्लिक की ढेर सारी सेल्फी

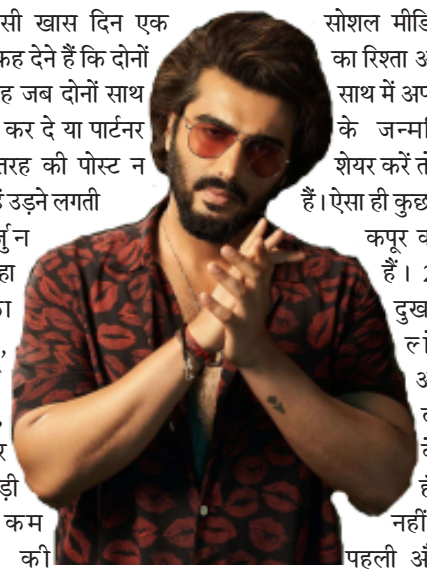

बॉलीवुड का एक चलन रहा है कि जब भी किसी सेलेब्रिटी को अपने रिश्ते को जगजाहिर करना होता है तो वह अपने पार्टन के जन्मदिन पर या किसी खास दिन एक सोशल मीडिया पोस्ट करके यह कह देने हैं कि दोनों का रिश्ता अब कंफर्म हैं। इसी तरह जब दोनों साथ साथ में अपनी तस्वीरें डालना बंद कर दे या पार्टनर के जन्मदिन पर किसी भी तरह की पोस्ट न शेयर करें तो ब्रेकअप की अफवाहें उड़ने लगती हैं। ऐसा ही कुछ मलाइका और अर्जुन कपूर की जिंदगी में भी चल रहा हैं। 2018 में श्रीदेवी का दुखद निधन हो गया, लोकिन उन्होंने अपने प्रशंसकों, और परिवार दोस्तों जो छाप छोड़ी के दिलों में है, वह आज भी कम नहीं हुई है। बॉलीवुड की पहली और सबसे बड़ी महिला सुपरस्टार के रूप में जानी जाने वाली अभिनेत्री श्रीदेवी ने इंडस्ट्री में तब अपनी जगह बनाई, जब हेमा मालिनी और रेखा जैसी अभिनेत्रियाँ अपने करियर के चरम पर थीं। श्रीदेवी ने 300 से ज्यादा फि ल्मों में काम किया, जिनमें से ज्यादातर फि ल्में सुपरहिट रहीं। जहाँ एक ओर लोग श्रीदेवी की शख्सियत से वाकिफ हैं, वहीं उनके भाई-बहनों, खासकर उनकी बहन श्रीलता के बारे में कम ही लोग जानते हैं।

कैटी पेरी ने 500 फीट लंबी ड्रेस हो रही सोशल मीडिया पर वायरल

हॉलीवुड गायिका कैटी पेरी ने मंगलवार को फैशन वीक के लिए पेरिस के वेंडोम में एक शानदार और चौंकाने वाली एंट्री की, जिसमें उन्होंने अपने सिंगल 'वुमन वर्ल्ड' के बोल बताए, जो 11 जुलाई को रिलीज होगा। सोशल मीडिया पर कैटी का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें लाल रंग की बैलेनियागा ड्रेस पहने हुए एक लिमोसिन से उतरते हुए देखा जा सकता है, जिस पर उनके कमबैक गाने के बोल लिखे हुए हैं। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर जाते समय प्रशंसकों को हाथ भी हिलाया। उनकी 500 फीट लंबी ड्रेस पर उनके आने वाले सिंगल के बोल सफेद अक्षरों में छपे हुए हैं। इस बीच, कैटी ने हाल ही में कान्स में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेलिब्रेशन में एक पावर-पैक परफॉरमेंस दी। कैटी के कई वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुए, जिसमें वे स्टेज पर मेहमानों के साथ नाचती और गाती नजर आईं। 'वुमन वर्ल्ड' के साथ, कैटी पेरी अपने बहुप्रतीक्षित छठे एल्बम स्टूडियो से मुख्य कलाकार के रूप में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह उनके पांचवें एल्बम स्माइल के बाद से उनका पहला नया संगीत रिलीज होगा, जिसे 2020 में रिलीज किया गया था। बाद में, वह 2022 में व्हेयर वी स्टार्टेड में थॉमस रेट के साथ शामिल हुईं और 2021 में व्हेन आई एम गॉन में एलेसो के साथ गाया। उन्होंने 22वें सीजन के बाद शो छोड़ने से पहले सात सीजन के लिए लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी टीवी शो, अमेरिकन आइडल को भी जज किया है। कैटी ने रेड हिल रिकॉर्ड्स के साथ एक रिकॉर्ड डील साइन की और 2001 में कैटी हडसन नामक एक एल्बम रिलीज किया। उनका दूसरा स्टूडियो एल्बम, वन ऑफ द बॉयज, जून 2008 में रिलीज हुआ। पेरी ने अपना तीसरा स्टूडियो एल्बम, टीनेज ड्रीम, अगस्त 2010 में रिलीज किया। उनका चौथा स्टूडियो एल्बम, प्रिज्म, अक्टूबर 2013 में रिलीज हुआ। अगस्त 2020 में, पेरी ने स्माइल नामक अपना छठा स्टूडियो एल्बम रिलीज किया।

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की राहें हुईं जुदा, तीन साल तक डेट करने के बाद अलग हुए

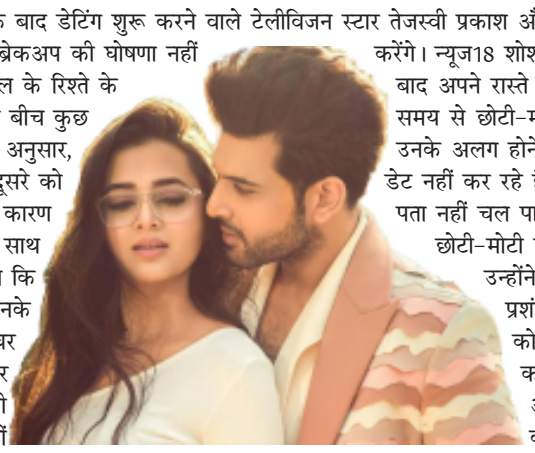

बिग बॉस 15 में प्यार में पड़ने के बाद डेटिंग शुरू करने वाले टेलीविजन स्टार तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा ने हाल ही में ब्रेकअप कर लिया है। नई रिपोर्ट के अनुसार, वे अपने ब्रेकअप की घोषणा नहीं करेंगे। न्यूज18 शोशा की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि करण और तेजस्वी ने एक महीने पहले तीन साल के रिश्ते के बाद अपने रास्ते अलग कर लिए, लेकिन इसे गुप्त रखा गया। जोड़े के एक करीबी सूत्र ने कहा कि उनके बीच कुछ समय से छोटी-मोटी अनबन चल रही थी, जिसके कारण उन्होंने अलग होने का फैसला किया। सूत्र के अनुसार, उनके अलग होने का असली कारण अभी भी अज्ञात है। सूत्र ने कहा, "करण और तेजस्वी अब एक-दूसरे को डेट नहीं कर रहे हैं। उनके अलग हुए एक महीने से अधिक समय हो गया है। भले ही उनके ब्रेकअप का कारण पता नहीं चल पाया है, लेकिन मुझे बस इतना पता है कि वे पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ छोटी-मोटी लड़ाइयाँ कर रहे हैं।" करण और तेजस्वी को जानने वाले एक अन्य सूत्र ने बताया कि उन्होंने अपने ब्रेकअप की खबर सार्वजनिक नहीं की है, क्योंकि पिछले तीन सालों से उनके प्रशंसक उन्हें 'पावर कपल' के तौर पर देखते आ रहे हैं। उनके प्रशंसकों के लिए इस खबर को स्वीकार करना मुश्किल होगा। सूत्र ने कहा, "वे पिछले तीन सालों से एक पावर कपल थे, और इसलिए, उनके प्रशंसकों के लिए इस दिल तोड़ने वाली खबर को इतनी अचानक स्वीकार करना आसान नहीं होगा। वे जल्द ही अपने ब्रेकअप की घोषणा नहीं करने जा रहे हैं।" इस बीच, कुछ समय पहले ही करण और तेजस्वी को मुंबई में डिनर डेट पर देखा गया था। शहर के एक मशहूर रेस्टोरेंट के बाहर फोटोग्राफरों के लिए पोज देते हुए वे खुश नजर आ रहे थे। इस मौके पर करण मैटेलिक पिंक पैंटसूट और क्रिस्प व्हाइट शर्ट में स्टाइलिश लग रहे थे, जबकि तेजस्वी ने ब्लैक फॉर्मल ड्रेस में उनका साथ दिया।

नागार्जुन ने अपने बॉडीगार्ड्स द्वारा धक्का दिए जाने के बाद फैन से मुलाकात की

तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन ने बुधवार (26 जून) को आखिरकार अपने बॉडीगार्ड्स द्वारा धक्का दिए गए दिव्यांग फैन से मुलाकात की। उन्होंने उसे गले लगाया और फैन से कहा कि यह उसकी गलती नहीं थी। नागार्जुन द्वारा अपने फैन से मुलाकात का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहा है। इससे पहले, मुंबई एयरपोर्ट पर अपने बॉडीगार्ड्स द्वारा उनके साथ की गई मारपीट के बाद उन्होंने माफी मांगी थी। मुंबई में 'कुबेर' की शूटिंग कर रहे नागार्जुन को 26 जून को एयरपोर्ट पर देखा गया। एयरपोर्ट पर अपनी कार से उतरते ही उन्होंने अपने फैन का अभिवादन किया।उन्होंने उसे गले लगाया और तस्वीरें खिंचवाईं। नागार्जुन ने अपने फैन से यह भी कहा कि यह उनकी गलती नहीं थी। इस वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट किए। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, "यही सोशल मीडिया की ताकत है।" नागार्जुन की तारीफ करते हुए एक अन्य यूजर ने लिखा, "नागार्जुन बहुत विनम्र और जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं।" हालांकि, कुछ लोगों को लगा कि यह पीआर एक्सरसाइज है। एक टिप्पणी में लिखा "सिर्फ.इसलिए कि यह वीडियो वायरल हो गया, वह अब यह सब कर रहा है। सिर्फ.दिखावा करने के लिए। उस समय उसे खेद क्यों नहीं हुआ। वह बेचारा लड़का विकलांग था, फिर भी उसने कभी विनम्रता या विचारशीलता नहीं दिखाई.. वाकई दुखद। 23 जून को, अभिनेता के अंगरक्षक ने एक प्रशंसक के साथ मारपीट की, जिसने उनके साथ तस्वीर लेने की कोशिश की। नागार्जुन, धनुष और उनके बेटे 'कुबेर' की शूटिंग के लिए मुंबई आए थे। वीडियो के वायरल होने के तुरंत बाद, नागार्जुन ने माफी मांगी और वादा किया कि वह इसे फिर से होने से रोकने के लिए आवश्यक सावधानी बरतेंगे। नागार्जुन, धनुष और रश्मिका मंदाना निर्देशक शेखर कम्मुला की 'कुबेर' की शूटिंग कर रहे हैं। इस महीने की शुरूआत में फि ल्म का फर्स्ट-लुक रिलीज किया गया था। फि ल्म का संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है।

अपनी सगी बहन के हिस्से का पैसा खा गयी थीं सुपरस्टार श्रीदेवी !

मेहनत की कमाई के लिए श्रीलता ने लड़ी थी कानूनी लड़ाई

2018 में श्रीदेवी का दुखद निधन हो गया, लेकिन उन्होंने अपने प्रशंसकों, दोस्तों और परिवार के दिलों में जो छाप छोड़ी है, वह आज भी कम नहीं हुई है। बॉलीवुड की पहली और सबसे बड़ी महिला सुपरस्टार के रूप में जानी जाने वाली अभिनेत्री श्रीदेवी ने इंडस्ट्री में तब अपनी जगह बनाई, जब हेमा मालिनी और रेखा जैसी अभिनेत्रियाँ अपने करियर के चरम पर थीं। श्रीदेवी ने 300 से ज्यादा फि ल्मों में काम किया, जिनमें से ज्यादातर फि ल्में सुपरहिट रहीं। जहाँ एक ओर लोग श्रीदेवी की शख्सियत से वाकिफ हैं, वहीं उनके भाई-बहनों, खासकर उनकी बहन श्रीलता के बारे में कम ही लोग जानते हैं। एक समय श्रीदेवी और श्रीलता के बीच काफी गहरा रिश्ता था, लेकिन जल्द ही परिस्थितियों की वजह से उनके रिश्ते में कड़वाहट आ गई। जब श्रीदेवी फि ल्मी दुनिया में अपना सफर शुरू कर रही थीं, तब उनकी बहन श्रीलता ही उनके साथ सेट पर जाती थीं। 1972 से 1993 तक श्रीलता ने कभी श्रीदेवी का साथ नहीं छोड़ा। जब श्रीलता अभिनेत्री नहीं बन पाईं तो वे श्रीदेवी की मैनेजर बन गईं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीदेवी ने पूरी रकम अपने पास रख ली, जिससे दोनों बहनों के रिश्ते खराब हो गए। श्रीलता ने अपना हिस्सा पाने के लिए श्रीदेवी के खिलाफ कोर्ट में केस भी किया। वे केस जीत गईं और उन्हें 2 करोड़ रुपए मिले। इन घटनाओं ने श्रीदेवी और श्रीलता के रिश्ते को हमेशा के लिए बदल दिया। श्रीदेवी की दुखद मौत के बाद भी दोनों एक नहीं हो पाईं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बोनी कपूर ने दोनों बहनों के बीच सुलह कराने की कोशिश भी की, लेकिन श्रीदेवी की मौत के बाद श्रीलता चेन्नई में प्रार्थना सभा में नहीं दिखीं।

सेमीफाइनल के दबाव में बिखरा अफगानिस्तान द.अफ्रीका की आसान जीत

पहली बार टी20 विश्व कप के फाइनल में

➪ अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 11.5 ओवर में 10 विकेट पर 56 रन बनाए।जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में एक विकेट पर 60 रन बनाए और मौजूदा टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई।

एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 का पहला सेमीफाइनल मैच नौ विकेट से जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 11.5 ओवर में 10 विकेट पर 56 रन बनाए। इस स्कोर पर ऑलआउट होना टी20 विश्व कप सेमीफाइनल मैच में किसी टीम का सबसे न्यूनतम स्कोर है। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में एक विकेट पर 60 रन बनाए और मौजूदा टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। मौजूदा टूनार्मेंट में दक्षिण अफ्रीका और भारत की टीमें अब तक अजेय हैं। यह पहला मौका है जब दक्षिण अफ्रीका फाइनल में पहुंची है। इससे पहले 2014 में वह सेमीफाइनल से ही बाहर हो गई थी। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ मैच जीतकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

मार्करम-हेंड्रिक्स ने टीम को फाइनल में पहुंचाया

57 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका फजलहक फारुकी ने पांच रन के स्कोर पर दिया। उन्होंने क्विंटन डिकॉक को बोल्ड किया। इसके बाद मोर्चा रीजा हेंड्रिक्स और एडेन मार्करम ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 55 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। सलामी बल्लेबाज हेंड्रिक्स ने 29 और कप्तान मार्करम ने 23 रन बनाए।

ताश के पत्तों की तरह बिखरा अफगानिस्तान का बल्लेबाजी क्रम

पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के सामने महज 57 रनों का लक्ष्य रखा। इस मैच में अफगानिस्तान की तरफ से कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया और विरोधी गेंदबाजों के सामने पूरी टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। टीम की तरफ से सबसे ज्यादा रन 10 रन अजमतुल्लाह उमरजई ने बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाया। दक्षिण अफ्रीका ने पहले सेमीफाइनल में धारदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। उनकी तरफ से मार्को यानसेन और तबरेज शम्सी ने तीन-तीन विकेट चटकाए। वहीं, कागिसो रबाडा और एनरिक नॉर्त्जे ने दो-दो विकेट हासिल किए।

32 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रही यूनाइटेड यूनिवर्सिटी

86% छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी शिक्षा के क्षेत्र में एक जाना-माना नाम है। यह अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए आधुनिक सुविधाओं से लैस है। यह विगत 32 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहे यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन का अंग है। इसकी स्थापना यूपी के निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 (यूपी अधिनियम संख्या 12, 2019) के तहत की गई है। यूनाइटेड यूनिवर्सिटी विभिन्न विषयों से जुड़े शैक्षिक गतिविधियों और कैंपस प्लेसमेंट के जरिए विद्यार्थियों को निरंतरता प्रदान करता है।लगभग 60 एकड़ में फैले विश्वविद्यालय के कैंपस में स्टेट ऑफ आर्ट शैक्षणिक भवनों के अलावा अत्याधुनिक इंडोर गेम्स कॉम्प्लेक्स, जिम, कैफेटेरिया और टक शॉप भी मौजूद हैं। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद में स्थापित यह विश्वविद्यालय कानून, कला, इंजीनियरिंग, विज्ञान, नर्सिंग, कंप्यूटर अनुप्रयोग, वाणिज्य, कृषि, जनसंचार और प्रबंधन, फैशन डिजाइनिंग, होटल मैनेजमेंट, फार्मेसी से लेकर चिकित्सा तक कई पाठ्यक्रम

चलाता है।विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने दुनिया के अग्रणी संस्थानों से समन्वय और एमओयू किया है।विश्वविद्यालय में प्रशिक्षित और आधुनिक तकनीक के जानकार शिक्षकों का समूह छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण के लिए सतत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। विश्वविद्यालय में नियुक्त शिक्षकों के समूह परंपरागत के साथ साथ आधुनिक खोजों और तकनीक की बारीकियों से छात्र-छात्राओं को अवगत कराते हैं।छात्र-छात्राओं के चौतरफा विकास के लिए विश्वविद्यालय लगातार महत्वपूर्ण क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स द्वारा काउंसिलिंग की सुविधा प्रदान करता है जिससे छात्र छात्राओं का भविष्य उज्जवल बन सके। खेलो इंडिया प्रोग्राम के तहत छात्र-छात्राओं की रूचि के अनुसार साज-सज्जा व खेल का सामान छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराया जाता है। विभिन्न खेलों के कोच की ओर से शारीरिक व मानसिक विकास हेतु प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य विश्वविद्यालय कर रहा है।विश्वविद्यालय में नवनिर्मित अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, जिम, व एथलिट्स हेतु रनिंग ट्रैक छात्र-छात्राओं के शारीरिक व मानसिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट सेल अच्छी तरह से सुसज्जित और कुशल प्रशिक्षकों द्वारा कैरियर से संबंधित किसी भी अवसर हेतु प्रशिक्षण और जटिल समस्याओं के प्रति छात्रों की तार्किक क्षमता को विकसित करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सतत कार्यशील है।

बांग्लादेश के खिलाफ मैच में बल्ला फेंकने के लिए राशिद खान पर लगा जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान पर बांग्लादेश के खिलाफ मैच में आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन का आरोप लगा है। स्टार स्पिनर पर पारी के आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर उनके साथी करीम जनत द्वारा दूसरा रन लेने से इनकार करने के बाद बल्ला जमीन पर पटकने के लिए दंडित किया गया है।यह घटना अफगानिस्तान की पारी के अंतिम ओवर में घटी, जब जनत के दूसरा रन लेने से मना करने के बाद राशिद अपना आपा खो बैठे। आईसीसी ने कहा, "राशिद को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन करते हुए पाया गया जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित या खतरनाक तरीके से गेंद (या क्रिकेट उपकरण का कोई अन्य सामान) फेंकने से संबंधित है।"इस मैच में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को आठ रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। आईसीसी ने आगे कहा, "इसके अलावा राशिद के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, यह 24 महीने में उनका पहला अपराध था।

जयवर्धने के बाद श्रीलंका के मुख्य कोच ने भी दिया इस्तीफा

विश्व कप में पहले राउंड से बाहर हुई थी टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। सिल्वरवुड के कार्यकाल में, श्रीलंका ने महत्वपूर्ण जीत हासिल की, जिसमें 2022 का एशिया कप, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज और बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरी शामिल है। टीम 2023 के एशिया कप के फाइनल में भी पहुंची थी।टी20 विश्व कप 2024 में अपने खराब प्रदर्शन के चलते टूनार्मेंट से बाहर हुई श्रीलंका की टीम को तगड़ा झटका लगा है। टीम के सलाहकार पद से हाल ही में पूर्व दिग्गज क्रिकेटर महेला जयवर्धने ने इस्तीफा दिया था। अब टीम के श्रीलंकाई टीम के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसकी जानकारी श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) की तरफ से जारी किए गए बयान में दी गई।

सिल्वरवुड ने मुख्य कोच पद से दिया इस्तीफा

श्रीलंका के नेशनल क्रिकेट टीम को बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज क्रिस सिल्वरवुड ने श्रीलंका के हेड कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है। सिल्वरवुड को अप्रैल 2022 में श्रीलंका क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

विश्व कप में श्रीलंका का खराब प्रदर्शन

श्रीलंका की टीम टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी। आईसीसी टूनार्मेंट में यह उसका सबसे खराब प्रदर्शन था। सिल्वरवुड ने कहा, "अंतरराष्ट्रीय कोच होने का मतलब लंबे समय तक अपनों से दूर रहना है। अपने परिवार से सलाह लेने के बाद मैं भारी मन से घर लौटने और परिवार के साथ समय बिताने का फैसला ले रहा हूं। श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा रहना मेरे लिये फख्र की बात रही है। मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं।"

सिल्वरवुड का कार्यकाल

सिल्वरवुड के कार्यकाल में, श्रीलंका ने महत्वपूर्ण जीत हासिल की, जिसमें 2022 का एशिया कप, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज और बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरी शामिल है। टीम 2023 के एशिया कप के फाइनल में भी पहुंची थी। हालांकि, श्रीलंका की टीम हाल ही में हुए आईसीसी टूनार्मेंट्स, जिनमें 2022 और 2024 के दो टी 20 विश्व कप और 2023 का वनडे विश्व कप शामिल है, के नॉकआउट चरणों में पहुंचने में विफल रही थी।

फॉक्सकॉन पर विवाहित महिलाओं को काम से रोकने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने फॉक्सकॉन इंडिया एप्पल आईफोन प्लांट में विवाहित

महिलाओं को रोजगार नहीं देने के मामले में तमिलनाडु सरकार से जवाब मांगा है। मंत्रायल ने कहा कि पुरुष और महिला कर्मचारियों से भेदभाव क्यों किया जा रहा है।फॉक्सकॉन इंडिया एप्पल आईफोन प्लांट में विवाहित महिलाओं को काम ना करने देने पर केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय से जवाब मांगा है। श्रम मंत्रालय ने तमिलनाडु श्रम विभाग से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। श्रम मंत्रालय ने कहा, समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 की धारा 5 में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुरुष और महिला श्रमिकों की भर्ती करते समय कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।श्रम मंत्रालय ने बताया कि राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने और प्रशासन के लिए उपयुक्त प्राधिकारी है, इसलिए उससे रिपोर्ट मांगी गई है। इसके साथ ही क्षेत्रीय मुख्य श्रम आयुक्त कार्यालय को भी भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।श्रम और रोजगार मंत्रालय ने कहा है कि तमिलनाडु में फॉक्सकॉन इंडिया एप्पल आईफोन प्लांट में विवाहित महिलाओं को काम करने की अनुमति नहीं दिए जाने के मामले में गंभीर है।

दो दिन की नीलामी में 141.4 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बिका

सबसे ज्यादा एयरटेल ने 6,857 करोड़ का खरीदा

एजेंसी

नई दिल्ली। स्पेक्ट्रम नीलामी दो दिन में ही समाप्त हो गई। इसमें सरकार को सिर्फ 1,340 करोड़ रुपये ही मिले हैं। जो कि प्रस्तावित 96,238 करोड़ का महज 11.78 फीसदी ही है। सबसे ज्यादा एयरटेल ने 6,857 रुपये का स्पेक्ट्रम खरीदा। स्पेक्ट्रम नीलामी दूसरे दिन बुधवार को बोली शुरू होने के कुछ घंटों में ही खत्म हो गई। दो दिन की नीलामी में सरकार को सिर्फ 11,340.78 करोड़ रुपये ही मिले। यह रकम प्रस्तावित स्पेक्ट्रम के लिए अनुमानित न्यूनतम मूल्य 96,238 करोड़ रुपये का 11.78 फीसदी है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया, नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज से 26 गीगाहर्ट्ज के बीच कुल 10 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की पेशकश की गई। अनुमान है कि सात दौर की बोलियों में सिर्फ 141.4 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम ही बेचे गए हैं। नीलामी के पहले दिन 25 जून को पांच दौर की बोलियां लगाई गईं। बुधवार को ज्यादा गतिविधि नहीं हुई। इस कारण अधिकारियों ने दिन में करीब 11:30 बजे नीलामी खत्म करने की घोषणा कर दी। बाजार पर्यवेक्षकों ने कम बोली की अपेक्षा की थी क्योंकि दूरसंचार कंपनियां स्पेक्ट्रम नवीनीकरण के साथ अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए रेडियो तरंगों पर चुनिंदा रूप से ध्यान दे रही हैं। पिछली नीलामी 2022 में हुई थी, जो सात दिन तक चली थी। उसमें 5जी स्पेक्ट्रम की रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हुई थी।स्पेक्ट्रम नीलामी में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने हिस्सा लिया। भारती एयरटेल ने ताजा नीलामी में सबसे ज्यादा 6,856.76 करोड़ रुपये में 97 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम खरीदा, जो कुल बिके रेडियो तरंगों का करीब 60 फीसदी है।

पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने के बाद जूडोका तूलिका मान की नजरें पदक पर

एजेंसी

नई दिल्ली। ओलंपिक में हिस्सा लेने जा रही भारत की नौवीं महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका ने कहा, 'यह यात्रा रोमांचक रही है। मेरे कोच (यशपाल सोलंकी) ने कार्यक्रमों का एक कैलेंडर तैयार किया था लेकिन ओलंपिक उसमें शामिल नहीं था।'तूलिका मान ओलंपिक में जगह बनाने को लेकर सुनिश्चित नहीं थी लेकिन अब पेरिस खेलों के लिए क्वालीफाई करने के बाद इस भारतीय जूडो खिलाड़ी को पदक जीतने की उम्मीद है और उन्होंने कम से कम कांस्य पदक के प्ले ऑफ में जगह बनाने को लक्ष्य बनाया है।राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता 25 साल की तूलिका ने मंगलवार को 78 किग्रा से अधिक वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए महाद्वीपीय कोटा हासिल किया। तूलिका ने साइ मीडिया से कहा, 'जूडो हमेशा से ही हैरान करने वाली चीजों से भरा रहा है और कोई नहीं जानता कि कब क्या हो जाए। इसलिए कोई नहीं जानता कि उस दिन क्या होगा। देखिए कैसे मैंने पेरिस ओलंपिक में जगह बनाई।'उन्होंने कहा, 'लेकिन अपनी ट्रेनिंग को देखते हुए मुझे उम्मीद है कि अगर मैं फाइनल में जगह नहीं भी बना पाई तो कम से कम कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचूंगी। हम स्वर्ण पदक के लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं।' क्वालिफाइंग चक्र 22 जून 2022 से 23 जून 2024 था और 2022 में चोट लगने के बाद तूलिका ओलंपिक में क्वालीफाई करने को लेकर आश्वस्त नहीं थी। हालांकि, पिछले महीने अबु धाबी में विश्व चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 32 मुकाबले में कनाडा की पोतुओंदो इसासी के खिलाफ जीत ने उनकी

ओलंपिक रैंकिंग में सुधार किया।ओलंपिक में हिस्सा लेने जा रही भारत की नौवीं महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका ने कहा, 'यह यात्रा रोमांचक रही है। मेरे कोच (यशपाल सोलंकी) ने कार्यक्रमों का एक कैलेंडर तैयार किया था लेकिन ओलंपिक उसमें शामिल नहीं था।'हालांकि, पिछले साल हांगझोउ में एशियाई खेलों में पांचवें स्थान पर रहने और इस साल अप्रैल में हांगकांग में एशियाई चैंपियनशिप ने उन्हें महत्वपूर्ण अंक हासिल करने में मदद की। दिल्ली की यह लड़की 1345 अंकों के साथ 36वें स्थान पर रही। उन्होंने कहा, 'मैंने एशियाई खेल और एशियाई चैंपियनशिप दोनों में तीन-तीन मुकाबले जीते। हांगकांग में मुझे सबसे पहले लगा कि मैं कर (क्वालीफाई) सकती हूं। विश्व चैंपियनशिप में जीत से मदद मिली।'तूलिका का मानना है कि चीन की सू शिन खेलों के दौरान उनकी सबसे कड़ी प्रतिद्वंद्वी साबित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'वह मेरी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी होंगी क्योंकि 2022 एशियाई चैंपियनशिप में उनके साथ मुकाबले के दौरान मैं चोटिल हो गई थी।

'आने वाले बजट में सरकार कई ऐतिहासिक कदम उठाएगी'

एजेंसी

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में कहा कि बजट में बड़े आर्थिक और सामाजिक फैसले होंगे और कई ऐतिहासिक कदम

उठाए जाएंगे। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए सुधारों की गति बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का मानना है कि निवेश के लिए राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए देश में 18वीं लोकसभा के गठन के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आगामी बजट में कई ऐतिहासिक कदम उठाए जाएंगे और प्रमुख आर्थिक फैसले लिए जाएंगे। राष्ट्रपति ने 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि अगले संसद सत्र में सरकार द्वारा पेश किया जाने वाला बजट इसकी भविष्योन्मुखी दृष्टि का दस्तावेज होगा।

इस साल बेहतर मानसून की उम्मीद घरेलू जीडीपी मजबूत

7 फीसदी से अधिक रहेगी आर्थिक वृद्धि दर

एजेंसी

नई दिल्ली।नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने अपनी मासिक समीक्षा में कहा, प्रमुख आर्थिक संकेतकों से पता चलता है कि घरेलू जीडीपी मजबूत बनी हुई है। इसकी रफ्तार अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं से तेज है। सामान्य से बेहतर मानसून की उम्मीद और अब तक कोई वैश्विक जोखिम नहीं होने की वजह से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार 7 फीसदी से अधिक रहेगी। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लायड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) ने अपनी मासिक समीक्षा में कहा, प्रमुख आर्थिक संकेतकों से पता चलता है कि घरेलू जीडीपी मजबूत बनी हुई है। इसकी रफ्तार अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं से तेज है। सभी एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने वृद्धि दर अनुमान में संशोधन किया है। आर्थिक शोध संस्थान की महानिदेशक पूनम गुप्ता ने कहा, चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 7 फीसदी से अधिक और 7.5 फीसदी के आसपास रहेगी। यह संभावना पहली तिमाही में देखी गई आर्थिक गतिविधियों में तेजी, निवेश, वृद्धि और व्यापक आर्थिक स्थिरता पर गहन नीतिगत ध्यान एवं सामान्य मानसून की उम्मीदों पर आधारित है।खाद्य कीमतों पर काबू पाना चुनौती मुप्ता ने कहा, महंगाई के चरम पर पहुंचने के साथ ही मौद्रिक नीति को और कड़ा किए जाने की स्थिति नहीं दिख रही है।

कांस्य को स्वर्ण पदक में बदलने का लक्ष्य

पेरिस ओलंपिक के लिए 16 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने अगले महीने होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए बुधवार को 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें हरमनप्रीत सिंह को कप्तान और हार्दिक सिंह को उप कप्तान बनाया गया। भारतीय टीम में पांच खिलाड़ी ओलंपिक में पदार्पण करेंगे, इनके अलावा टीम में पिछले चरण में हिस्सा ले चुके कुछ सीनियर खिलाड़ी भी शामिल हैं।टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम को गत चैम्पियन बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ पूल बी में रखा गया है। पूल अंक तालिका में शीर्ष चार में रहने वाली टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेगी।

भारतीय खिलाड़ी इस समय बेंगलुरु के साई केंद्र में राष्ट्रीय शिविर में ओलंपिक की तैयारी में व्यस्त हैं।अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और मिडफील्डर मनप्रीत सिंह चौथी बार ओलंपिक में भाग लेंगे जबकि कप्तान हरमनप्रीत का यह तीसरा ओलंपिक होगा। वहीं, पांच खिलाड़ी भारत के लिए ओलंपिक में पदार्पण करेंगे जिसमें जरमनप्रीत सिंह, संजय, राज कुमार पाल, अभिषेक और सुखजीत सिंह शामिल हैं।टोक्यो में 41 साल के अंतराल बाद पदक जीतने के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद भारतीय डिफेंडर रूपिंदरपाल सिंह और बीरेंद्र लाकड़ा संन्यास ले चुके हैं जबकि सुरेंदर कुमार टीम से बाहर हैं। टोक्यो में मुख्य टीम का हिस्सा रहे नीलकांत शर्मा को वैकल्पिक खिलाड़ियों में रखा गया है और दिलप्रीत सिंह को मौका नहीं मिला।गोलकीपर कृष्ण पाठक लगातार दूसरे ओलंपिक में वैकल्पिक खिलाड़ी होंगे। डिफेंस में हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत, अमित रोहिदास, सुमित और संजय जबकि मिडफील्ड में पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद शामिल हैं। फॉरवर्ड में अभिषेक, सुखजीत, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह और गुरजंत सिंह शामिल हैं। पाठक और नीलकांत के अलावा डिफेंडर जुगराज सिंह भारत के तीसरे वैकल्पिक खिलाड़ी हैं।मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों में प्रतिभा की गहराई के कारण पेरिस ओलंपिक की टीम के लिए चयन प्रक्रिया काफी प्रतिस्पर्धी थी। हालांकि मुझे विश्वास है कि चुना गया हर खिलाड़ी पेरिस में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेगा।' उन्होंने कहा, 'चुने गए हर खिलाड़ी ने तैयारी चरण के दौरान असाधारण कौशल, समर्पण और लचीलापन दिखाया है।

2023 में भारत को विदेश से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर मिले

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में 2023 में विदेशों से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर धनराशि भेजी गई है, जो कि पिछले साल के मुकाबले साढ़े 7 फीसदी ज्यादा है। बुधवार को विश्व बैंक ने जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। साल 2023 में भारत को विदेशों से रिकॉर्ड 120 अरब डॉलर मिले जो कि इसी दौरान मैक्सिको को मिले 66 अरब डॉलर के मुकाबले करीब दो गुना है। विश्व बैंक ने बुधवार को जारी अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसी अवधि में चीन को 50, फिलीपीन को 39 और पाकिस्तान को 27 अरब डॉलर हासिल हुए। साल 2021-22 की अवधि में दुनिया में तेज वृद्धि दर्ज किए जाने के बाद साल 2023 में निम्न और मध्यम आय वाले देशों में विदेशों से आने वाला पैसा 656 अरब डॉलर तक पहुंच गया।रिपोर्ट में कहा गया है, भारत में विदेशों से आने वाला पैसा 7.5 फीसदी की दर से बढ़ा।

साहसिक टाइम्स
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक बिन्देश्वरी प्रसाद द्वारा गुरु कृपा प्रिंटर्स 22, रूक्मणीपुरम, निकट माहेश्वरी ट्रेड्स, फैजुल्लागंज, सीतापुर रोड, लखनऊ 226020 (उ०प्र०) से छपवाकर प्रकाशन स्थल ई-394 रक्षा खण्ड, रायबरेली रोड, लखनऊ 226025(उ०प्र०) से प्रकाशित
संपादक
चंदन
मो नंबर 9005051151
समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय मे ही किया जाएगा